www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 28 || लखनऊ
मंगलवार
28 अप्रैल 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:31
सूर्यास्तः 06:37
अधिकतमः 41°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 03

विशेष समाचार — रस्सी जल गई पर बल नहीं गया... >> पेज 02
क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन का आगाज... >> पेज 04
एकता कपूर ने 'नागिन 7' को लेकर दी...

'आप' के 7 सांसदों को बीजेपी में विलय की मंजूरी

राज्यसभा में भाजपा सांसद 106 से बढ़कर 113 हुए, केजरीवाल की पार्टी 3 पर सिमटी

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को आम आदमी पार्टी (AAP) के सात बागी सांसदों के भाजपा में विलय को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद राज्यसभा में AAP की संख्या घटकर 3 रह गई है, जबकि BJP सांसदों की संख्या 106 से बढ़कर 113 हो गई है। जो सात सांसद BJP में शामिल हुए हैं, उनमें राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, विक्रमजीत साहनी, स्वाति मालीवाल और राजेंद्र गुप्ता शामिल हैं। राज्यसभा की ऑफिशियल वेबसाइट पर भी इन सांसदों को BJP के सदस्यों के रूप में दिखाया गया है। AAP ने रविवार को सभापति से सातों सांसदों की सदस्यता खत्म करने की मांग की थी। संजय सिंह ने भी लेटर लिखकर उन्हें दलबदल कानून के उल्लंघन का दोषी बताते हुए अयोग्य घोषित करने की अपील की। संजय सिंह के मुताबिक, AAP ने एडवोकेट कपिल सिब्बल और लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी अचारी सहित कई संवैधानिक विशेषज्ञों से सलाह ली है। कपिल सिब्बल ने कहा था कि संविधान की 10वीं अनुसूची के मुताबिक सबसे पहले पार्टी को प्रस्ताव पास करके दूसरी पार्टी विलय करना पड़ेगा। कोई भी सांसद दूसरी पार्टी में विलय नहीं कर सकते। AAP के 10 राज्यसभा सांसदों में से राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक ने शुक्रवार को BJP जॉइन कर ली थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी अपने मूल सिद्धांतों से भटक गई है।

"मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इन सांसदों ने शुक्रवार को राज्यसभा सभापति को आवेदन देकर खुद को बीजेपी सांसद के रूप में मान्यता देने की मांग की थी, जिसे अब स्वीकार कर लिया गया है।"

राघव ने कहा- मैं राइट मैन इन रॉन्ग पार्टी

राघव ने कहा था कि पिछले कुछ सालों से मुझे महसूस हो रहा था कि मैं गलत पार्टी में सही व्यक्ति हूं। इसलिए आज मैं घोषणा करता हूं कि मैं आप से दूरी बना रहा हूं और जनता के करीब जा रहा हूं। राजनीति में आने से पहले, मैं एक प्रैक्टिसिंग चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) था। इस मंच पर मेरे साथ अलग-अलग क्षेत्रों के लोग थे।

स्वाति मालीवाल बोलीं- केजरीवाल महिला विरोधी हैं

स्वाति मालीवाल ने कहा था कि उन्होंने 2006 से केजरीवाल के साथ काम किया, हर आंदोलन में साथ दिया, लेकिन बाद में उनके साथ पार्टी में दुर्व्यवहार हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके घर में उनके साथ मारपीट कराई गई और FIR वापस लेने के लिए दबाव बनाया गया।

पीएम मोदी सिक्किम पहुंचे, गंगटोक में किया रोड शो

4000 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

गंगटोक। पीएम मोदी सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंच गए हैं। वे सोमवार दोपहर 3 बजे गंगटोक पहुंचे। जिसके बाद लिबिंग हेलिपैड से गवर्नर हाउस (लोक भवन) तक उन्होंने रोड शो किया। मोदी दो दिवसीय सिक्किम दौरे पर हैं। कल वे राज्य के 50वें स्थापना दिवस समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे और 4000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। 16 मई 2025 को सिक्किम को राज्य बने 50 साल पूरे हुए थे। तब पीएम वर्चुअली 50वें स्थापना दिवस समारोह से जुड़े थे। मंगलवार को एक साल से चल रहे समारोह का समापन होगा। पीएम अपने दो दिवसीय दौरे पर शिक्षा, स्वास्थ्य, कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यटन, पर्यावरण और कृषि से जुड़ी लगभग 4 हजार करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। इनमें नामची में 100 बेड का अस्पताल, देओराली में 30 बेड का अस्पताल, तीस्ता नदी पर दो डबल-लेन स्टील पुल और गंगटोक में सिविल सर्विस ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट शामिल हैं। इसके बाद 14 अप्रैल 1975 को सिक्किम में एक रेफरेंडम कराया गया, इसमें सिक्किम के लोगों ने भारत में शामिल होने या न होने के लिए वोटिंग की।

फास्ट न्यूज

टीएमसी सांसद मिताली की कार पर ईंट-पत्थर से हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हुगली में सोमवार को TMC सांसद मिताली बाग की कार पर हमला हुआ। हमला उस वक्त हुआ, जब मिताली बाग गोगहाट से आरामबाग में अभिषेक बनर्जी के रोड शो में शामिल होने जा रही थीं। हमले में कार के शीशे टूट गए। सांसद और उनके ड्राइवर को चोट आई है। दोनों को आरामबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बंगाल की चर्चित भवानीपुर सीट पर महामुकाबला

कोलकाता। दक्षिण कोलकाता के पद्दपुकुर रोड पर 140 साल पुरानी 'बलराम मलिक एंड राधारमण मलिक' मिठाई दुकान में एक ट्रे में सभी पार्टियों के सिंबल वाले पेड़े सजे हैं- 'मिठास सबके लिए', लेकिन जिस भवानीपुर में यह दुकान है, वहां सियासत में खटास साफ दिखती है। बंगाल की सबसे चर्चित सीट पर सीएम ममता बनर्जी 'दीदी' के सामने भाजपा के शुभेंदु अधिकारी 'दादा' मैदान में हैं। यहां 15 साल की सत्ता बचाने उतरी ममता के सामने नंदीग्राम में उन्हें हरा चुके शुभेंदु वही दोहराने की कोशिश में हैं। 29 अप्रैल को वोटिंग है। यह सीट तृणमूल के लिए प्रतिष्ठा और भाजपा के लिए मनोवैज्ञानिक लड़ाई बन गई है।

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- मैं माफी मांगता हूं

नागपुर। छत्रपति शिवाजी महाराज और समर्थ रामदास स्वामी के बारे में अपनी टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने माफी मांग ली। रविवार को नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- कुछ लोगों ने मेरे बयान का गलत अर्थ निकाला। मैं जिस स्वराज और हिंदू राष्ट्र की अवधारणा का सम्मान करता हूं।

अखिलेश यादव ने बोर्ड टॉपर्स को दी बधाई, आईपैड देकर किया सम्मानित

हाईस्कूल और इंटर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को बताया प्रदेश का गौरव

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा के टॉपर छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि इन विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत और लगन से न केवल अपने परिवार बल्कि स्कूल और प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने पूर्व मंत्री श्री नरेन्द्र वर्मा की उपस्थिति में मेधावी छात्राओं को सम्मानित भी किया। उन्होंने सुश्री अंशिका वर्मा, कशिश वर्मा और शिखा वर्मा को आईपैड भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। बाराबंकी के जैदपुर स्थित द मॉडर्न एकेडमी इंटर कॉलेज की छात्रा अंशिका वर्मा ने हाईस्कूल परीक्षा में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं सीतापुर की कशिश वर्मा ने हाईस्कूल में 600 में 587 अंक हासिल किए। इंटरमीडिएट परीक्षा में सीतापुर की ही शिखा वर्मा ने 500 में 488 अंक प्राप्त कर टॉपर्स की सूची में स्थान बनाया। अखिलेश यादव ने कहा कि ये छात्राएं अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा हैं और उनकी सफलता यह साबित करती है कि कठिन परिश्रम से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

ममता सरकार पर बेरोजगारी और धार्मिक प्रतिबंधों के आरोप, "डबल इंजन" सरकार का किया दावा

पिछले 15 वर्षों में टीएमसी ने बंगाल को किया कंगाल: योगी

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता/लखनऊ। बंगाल चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सोमवार को भाजपा के युवा सांसद तेजस्वी सूर्या ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ सेल्फी वीडियो बनाया। तेजस्वी के कहने पर योगी ने बंगाल के युवाओं को खास मैसेज भी दिया। तेजस्वी सूर्या ने कहा- योगीजी, ये TMC के कुशासन से सबसे ज्यादा त्रस्त वेस्ट बंगाल के युवा हैं। मैं आपसे रिक्वेस्ट करता हूं कि उनके लिए एक मैसेज दीजिए।

>> (शेष पेज 04 पर)

बंगाल में जय श्रीराम पर प्रतिबंध लगाया जाता है

यह वही धरा है, जिसने 1857 में भारत के प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन की लौ जलाई थी। ये बंगाल की धरा बैरकपुर से शुरू हुई थी। यहां खुदीराम बोस हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूम गए थे। यह बंगाल की धरा है, जिसने 1905 में बंगाल विभाजन का विरोध करते हुए स्वदेशी का नारा पूरे भारत को दिया था। जो बंगाल कभी अपनी कला और साहित्य के कारण भारत की कल्चरल राजधानी कहलाती थी। जो बंगाल अपने कल कारखानों के कारण भारत की इकॉनमी का इंजन था।

आज उस बंगाल को क्या हो गया? आप सोचिए, अगर यहां डबल इंजन की भाजपा की सरकार होती तो तारकनाथ मंदिर में काशी विश्वनाथ की तर्ज पर भव्य कॉरिडोर होता।

बंगाल की डेमोग्राफी को बदलने की साजिश

मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाल की इस पावन धरा ने श्री चैतन्य महाप्रभु को जन्म दिया, जिन्होंने हरि-कीर्तन के माध्यम से "हरे राम-हरे कृष्ण" का शंखनाद किया था। इसी धरा में स्वामी विवेकानंद ने दुनिया के हिंदुओं को संदेश दिया था कि "गर्व से कहो हम हिंदू हैं।" आज जब टीएमसी सरकार बंगाल की डेमोग्राफी को साजिश के तहत बदलने की कोशिश कर रही है, तब स्वामी विवेकानंद जी का यह उद्घोष हम सबको एक नई प्रेरणा दे रहा है।

इस पर योगी ने कहा, बंगाल में चुनाव के लिए यह मेरी आखिरी रैली है। टीएमसी ने अपने टेरर से, अपने माफिया राज से, अपने करप्शन से यहां के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा किया है। युवाओं के लिए यह सबसे अच्छा उपयुक्त समय है कि उस टीएमसी को पहचान का मोहताज बना दें। बंगाल के युवाओं से मेरा आह्वान होगा कि भारत की विरासत और भारत को प्रेरणा देने वाली बंगाल की पावन धरा आज टीएमसी के कुशासन से, इसके गुंडा राज से मुक्त होने का उत्तम अवसर है।

सीएम ने कहा- यूपी में आज कोई गो-माता की हत्या नहीं करता और करेगा तो फिर भुगतेगा भी। कोई माफिया किसी व्यापारी को धमकी नहीं दे सकता। किसी व्यापारी की संपत्ति पर कब्जा नहीं कर सकता। अगर करेगा तो यूपी का बुलडोजर उसकी हड्डी-पसली एक कर देगा। आज सीएम योगी ने दमदम और कल्याणी विधानसभा में रोड शो किया, जबकि धानेखाली विधानसभा में जनसभा को संबोधित किया।

4 मई के बाद टीएमसी के गुंडे पंक्चर बनाते दिखेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो बंगाल भारत को राष्ट्रगान देने वाला है, गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की विरासत वाला है, आज उसकी स्थिति क्या हो गई है? टीएमसी के गुंडे जगह-जगह कब्जा करते हैं। पर 23 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के रुझानों के बाद एक नया उत्साह पैदा हुआ है। टीएमसी के गुंडे अब अपना ठिकाना ढूंढ़ रहे हैं। 4 मई को जब परिणाम आएगा, तो वे कहीं न कहीं सड़कों पर पंक्चर बनाते हुए दिखाई देंगे। डबल इंजन की भाजपा सरकार का मतलब है सुशासन। यह आपको शासन की योजनाओं का लाभ देने की गारंटी है, आपके विकास की गारंटी है, बेटी की सुरक्षा की गारंटी है, व्यापारी की सुरक्षा की गारंटी है, बंगाल के नौजवानों के लिए रोजगार की गारंटी है और माताओं-बहनों के लिए स्वावलंबन की गारंटी है। हमारी विरासत से जुड़े महाकाली स्थान और बाबा तारकनाथ स्थान पर भव्य कॉरिडोर के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।

ममता के मौन और अन्याय के खिलाफ बंगाल मुखर

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी हाल में तारकेश्वर में भगवान तारकनाथ के दर्शन करके आया हूं। अगर यहां डबल इंजन की भाजपा सरकार होती, तो तारकनाथ मंदिर में काशी विश्वनाथ की तर्ज पर भव्य कॉरिडोर बनता, श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलतीं और एक-एक व्यापारी को भी व्यवस्थित रूप से अपना व्यवसाय करने का अवसर प्राप्त होता। बंगाल में भारत की सनातन परंपरा के बारे में बोलने पर प्रतिबंध लगाया जाता है। बंगाल की डेमोग्राफी को बदला जा रहा है। "जय श्रीराम", मां दुर्गा की पूजा और मूर्ति विसर्जन की शोभायात्रा पर प्रतिबंध लगाया जाता है।

तरबूज खाने से पति और पत्नी, दो बेटियों की मौत

फूड पॉइजनिंग की आशंका, घर पर मेहमानों के साथ बिरयानी खाई, फिर फल खाए थे

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। मुंबई के जे.जे. मार्ग इलाके में एक ही परिवार के चार सदस्यों की तरबूज खाने से मौत हो गई। मृतकों में अब्दुल्ला अब्दुल कादर (40), उनकी पत्नी नसरिन (35) और उनकी बेटियां जैनब (13) और आयशा (16) शामिल हैं। पुलिस ने फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई है। पुलिस के मुताबिक, 25 अप्रैल को परिवार ने अपने घर पर एक गेट-टुगेदर पार्टी रखी थी। इसमें कुछ रिश्तेदार आए थे। परिवार ने मेहमानों के साथ बिरयानी खाई थी। इसके बाद कपल और उनकी दोनों बेटियों ने तरबूज खाया। इसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। सभी को पहले एक निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उन्हें जे.जे. अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान एक के बाद एक चारों परिवार के सदस्यों की मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, अब्दुल्ला मोबाइल एक्सेसरी की दुकान चलाते थे। शनिवार रात करीब 10:30 बजे अब्दुल्ला के घर पर पांच रिश्तेदार डिनर के लिए इकट्ठा हुए थे। खाने में बिरयानी थी।

मृतकों में पति-पत्नी और 13 और 16 साल की उनकी दो बेटियां शामिल हैं।

>> (शेष पेज 04 पर)

घोटाला : उनके बेटे को केंद्र से सबसे ज्यादा केस मिले, शराब घोटाला मामले में हाईकोर्ट नहीं जाऊंगा

जस्टिस स्वर्णकांता से न्याय की उम्मीद खत्म : केजरीवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को वीडियो जारी कर कहा, 'शराब नीति घोटाला मामले में मैं हाईकोर्ट में न खुद पेश होऊंगा और न ही कोई मेरी तरफ से दलीलें रखेगा।' उन्होंने कहा, हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा से न्याय मिलने की उम्मीद नहीं है। पूर्व सीएम ने जस्टिस स्वर्णकांता को लेटर भी लिखा। इसमें कहा, 'मैंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनते हुए महात्मा गांधी के सत्याग्रह का रास्ता अपनाने का फैसला किया है। इसकी वजह है कि जस्टिस स्वर्णकांता के दोनों बच्चे केंद्र सरकार के वकील के पैनल का हिस्सा हैं। इसमें साफ तौर पर हितों का टकराव दिखता है।' उन्होंने कहा, 'सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता दोनों बच्चों को केस देते हैं। उनके बेटे को 2023 से 2025 के बीच करीब 5904 केस मिले। अगर जज के बच्चों का भविष्य सॉलिसिटर जनरल तय कर रहे हैं तो क्या जज साहिबा उनके खिलाफ फैसला सुना पाएंगी।' दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में निचली अदालत ने केजरीवाल समेत 24 आरोपियों को बरी कर दिया है। सीबीआई ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा इस केस की सुनवाई कर रही हैं।

केजरीवाल के वीडियो मैसेज के 3 पॉइंट्स

- मुझे एक झूठे केस में फंसाया गया और जेल भेज दिया गया। एक चुनी हुई सरकार को गलत तरीके से गिरा दिया गया। हमें कई महीने जेल में रखा, लेकिन आखिरकार सच की जीत हुई। निचली कोर्ट ने मुझे पूरी तरह निर्दोष घोषित कर दिया।
- निचली कोर्ट ने CBI जांच पर सवाल खड़े किए और जांच अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए। CBI ने तुरंत इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। इस केस की जज जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा हैं। तब मेरे मन में सवाल उठा कि क्या इनके सामने मुझे न्याय मिलेगा?
- भारत सरकार के पैनल में करीब 700 वकील हैं, लेकिन जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के बेटे को सबसे ज्यादा केस मिले। इससे उनके बच्चों ने करोड़ों रुपए कमाए। यह मामला राजनीतिक रूप से संवेदनशील है। ऐसे में इन परिस्थितियों से पक्षपात की आशंका बनती है। केजरीवाल ने कहा था कि जज RSS से जुड़े संगठन के कार्यक्रम में कई बार गई हैं।

अरविंद केजरीवाल ने 13 अप्रैल को सुनवाई के दौरान कोर्ट में अपनी दलीलें खुद रखी थीं।

केजरीवाल 156 दिन, सिसोदिया 530 दिन तक जेल में रहे

दिल्ली सरकार ने 2021 में राजस्व बढ़ाने और शराब व्यापार में सुधार के लिए आबकारी नीति बनाई थी, जिसे बाद में अनियमितताओं के आरोप लगने के बाद वापस ले लिया गया।

सूरत में एसबीआई ब्रांच से 50 लाख रुपए की लूट

लुटेरों ने बंदूक की नोक पर स्टाफ को बंधक बनाया, स्पोर्ट्स बाइक से भाग निकले

- लुटेरे बैंक में घुसे और जमीन पर गोली दागकर स्टाफ और लोगों को डराया।
- लूट को अंजाम देकर लुटेरे बाइक से फरार हो गए।

वाहन सीएमसी कंपनी का बताया जा रहा है।

"डीएसपी आलोक कुमार ने बताया कि लुटेरों ने कैश जमा करने की प्रक्रिया का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया। लुटेरों ने चेहरा नहीं ढंका था। सीसीटीवी फुटेज में लुटेरों के चेहरे साफ दिख रहे हैं। पुलिस उनकी पहचान करने की कोशिश कर रही है।"

तमसा संकेत, एजेंसी

सूरत। सूरत के वराछा इलाके में सोमवार को SBI की ब्रांच से हथियारबंद लुटेरे 50 लाख रुपए लूटकर फरार हो गए। 5 से 6 बदमाशों ने कर्मचारियों को बंदूक की नोक पर बंधक बनाकर लिया था। पुलिस के मुताबिक, लुटेरे नकदी जमा होने के दौरान बैंक में घुसे और वारदात को अंजाम दिया। लूट के बाद आरोपी स्पोर्ट्स बाइक से भाग निकले। पुलिस ने पूरे शहर में घेराबंदी कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, लुटेरे दोपहर 1:11 बजे बैंक में घुसे और कर्मचारियों को करीब 2.06 घंटे तक बंधक बनाकर रखा।

सम्पादकीय

अंधश्रद्धा को सही चुनौती!

चमत्कार दिखाकर धार्मिक श्रद्धा के बाजार और भक्ति के व्यापार में बहुत जल्द तरक्की करने वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री को अब अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ने चुनौती दी है। अपने चमत्कार दिखाकर धार्मिक श्रद्धा के बाजार और भक्ति के व्यापार में बहुत जल्द तरक्की करने वाले धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री को अब अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ने चुनौती दी है। महाराष्ट्र की अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति (एएनआईएस) ने दो परीक्षणों के जरिए मध्यप्रदेश के बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के 'चमत्कारी' दावों को चुनौती दी है। एएनआईएस के संस्थापक प्रो. श्याम मानव ने बीते दिनों नागपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को दो विशेष परीक्षणों से गुजरना होगा। अगर वे इन परीक्षणों में सफल होते हैं तो उन्हें रुपए 80 लाख की पुरस्कार राशि दी जाएगी, लेकिन अगर वे असफल होते हैं तो उनके कार्यक्रम शुल्क से जमा 8 लाख जब्त कर लिए जाएंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक शास्त्री ने इस चुनौती को स्वीकार नहीं किया है, हालांकि उनका कहना है कि 'मेरे पास कोई अलौकिक शक्तिनहीं है, सभी शक्तियां बजरंगबली की हैं। मुझे केवल इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि मैं धर्मांतरण का विरोध करता हं◌ू।' इस पर प्रो. श्याम मानव का कहना है कि 'अगर वे वाकई दिव्य शक्तियां रखते हैं, तो हमारे परीक्षण में क्या डर? हम सार्वजनिक रूप से सिद्ध करने को तैयार हैं।'भारतीय समाचार एनसीआरटीसी भर्ती 2026: 4 पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी, 9 मई आवेदन का आखिरी मौका, जानें पूरी डिटेल गौरतलब है कि अखिल भारतीय अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ने यह चुनौती तीन शर्तों के साथ रखी है: 13 साल से कम उम्र के बच्चों लिए व्हाट्सएप लाएगा नया फीचर, माता-पिता के पास होगा अकाउंट का कंट्रोल बजरंगबली की शक्ति पर अटूट आस्था दिखाने वाले शास्त्री इन चुनौतियों को मानेंगे या नहीं, उसमें कामयाब होंगे या नहीं, यह तो बाद की बात है। लेकिन इस समय समाज जिस तेजी से अंधश्रद्धा का शिकार हो रहा है, आस्था और अंधविश्वास में फर्क को मिटाया जा रहा है, धर्म के मायने बदलकर दूसरे धर्म के लोगों से नफरत, बदला लेने की भावना को बढ़ावा मिल रहा है, संविधान को अपमानित कर भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की मुहिम चलाई जा रही है, उसमें यह बेहद जरूरी है कि इस तरह के क्रियाकलापों पर तार्किक सवाल उठाए जाएं। AI कंटेंट पर अनिवार्य लेबलिंग आज से लागू: सोशल मीडिया को 3 घंटे में हटाने होंगे डीपफेक पोस्ट, जानिए नए नियम प्रो. श्याम मानव ने इस चुनौती के साथ एक गंभीर आरोप भी लगाया है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कार्यकाल में महाराष्ट्र में अंधविश्वास बढ़ा है। हालांकि इस आरोप का दायरा बढ़ाकर पूरे देश पर लागू किया जा सकता है, क्योंकि शायद ही कोई राज्य, कोई जिला ऐसा होगा जहां अंधविश्वास से ग्रस्त जनता और उसे बढ़ावा देने वाला शक्तिशाली, संपन्न तबका मौजूद न हो। इसके बरक्स वैज्ञानिक सोच और नजरिए को बढ़ावा देने वाले लोग नगण्य रह गए हैं। अभी पिछले हफ्ते ही देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने पिछले सोमवार ही अपने परिवार के साथ छतरपुर के बागेश्वर धाम में बालाजी की पूजा की और पीठाधिश्वर धीरेंद्र शास्त्री से भी मुलाकात की। जिसके बाद बी आर गवई ने कहा कि बागेश्वर धाम में सनातन संस्कृति को मजबूत करने के लिए जो प्रयास किए जा रहे हैं, वे सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि यदि इस प्रकार शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़े सामाजिक कार्य निरंतर चलते रहें, तो भारत को विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता। इस मौके पर पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने बागेश्वर धाम में संचालित कैंसर हॉस्पिटल का भी जिक्र किया और वहां की स्वास्थ्य सेवाएं भी देखीं। व्यक्तिगत तौर पर श्री गवई चाहे किसी भी धर्मालय में जाएं और जो चाहें पूजा करें। लेकिन जिस पद पर वे रह चुके हैं, उसके बाद इस तरह किसी विशेष धाम के बारे में बयान देना उचित नहीं है। अच्छी बात है कि छतरपुर में धीरेन्द्र शास्त्री ने कैंसर अस्पताल बनवाया है, लेकिन बेहतर चिकित्सा व्यवस्था की जो जिम्मेदारी सरकार की है, क्या उस पर भी श्री गवई कहेंगे। वैसे जब मुख्य न्यायाधीश रहते हुए डी. वाय. चंद्रचूड़ के साथ प्रधानमंत्री ने उनके घर पर गणेश पूजा में हिस्सा लिया। या अभी राजस्थान के मुख्यमंत्री ने भारत के मुख्य न्यायाधीश के लिए भारत सरकार के मुख्य न्यायाधीश का संबोधन दिया, उसके बाद न्यायपालिका से बची हुई आस भी टूटने लगी है। ध्यान रहे कि इन्हीं जस्टिस गवई के ऊपर एक वकील ने अदालत के भीतर जूता उछाल दिया था, क्योंकि विष्णु की खंडित प्रतिमा को लेकर दिए उनके बयान पर वकील को सनातन का अपमान महसूस हुआ था। अब वही बी आर गवई धीरेन्द्र शास्त्री के कामों को सनातन संस्कृति को बढ़ावा देने वाला बता रहे हैं। तो क्या देश में बड़ी चालाकी से माहौल तैयार हो रहा है कि कु छ समय बाद हिंदू राष्ट्र की उद्घोषणा हो जाए तब विरोध करने वाला कोई बचे ही नहीं। असल में धीरेन्द्र शास्त्री इस पूरे खेल में एक नया और युवा किरदार ही हैं। उनसे पहले आसाराम, नित्यानंद, अशोक खरात और न जाने कितने तरह के किरदारों ने अंधश्रद्धा को बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाई है। राजनीति, खेल, कला और फिल्म जगत से जुड़ी बड़ी हस्तियां इनके यहां माथा नवाते दिखती हैं, तो समाज का पीड़ित, कमजोर तबका सोचता है कि हम भी ऐसा ही करें तो शायद हमारी तकलीफें दूर हो जाएं, हमें भी ठाठ से रहने के मौके मिले। इस तरह जनता को आराम पहुंचाने की जो जिम्मेदारी सरकार की है, वो अंधश्रद्धा के जिम्मे आ जाती है, जो कभी भी दान की चादर में मिले अरबों रूपए बटोर कर उठा ली जाती है।

रस्सी जल गई पर बल नहीं गया...!!

> हालांकि पंजाब में जीत के बाद ही वो लाइमलाइट में आए। 2022 में एक इंटरव्यू में संदीप पाठक ने कहा था कि 'उनका दिमाग एक वैज्ञानिक की तरह काम करता है न कि एक राजनेता की तरह।'पंजाब में आम आदमी पार्टी की जीत के बाद ही उन्हें आम आदमी पार्टी का नेशनल जनरल सेक्रेटरी बनाया गया। कहा गया कि यह पद विशेष रूप से उन्हीं के लिए सृजित किया गया था।

भारतीय राजनीति में अरविंद केजरीवाल पिछले कुछ समय से महत्वपूर्ण चेहरा माने जा रहे थे । दिल्ली से राजनैतिक सफर की शुरुआत करने वाले अरविंद केजरीवाल ने बहुत कम समय में राजनैतिक गलियारों में अपना नाम अंकित करवाया तथा अपनी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का भी दर्जा दिलवाया, परंतु दिल्ली में संपन्न हुए चुनाव में केजरीवाल को पराजय का सामना करना पड़ा था । पिछले काफी समय से अरविंद केजरीवाल को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा दिल्ली में हार से सभी लोग उनके राजनैतिक भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लगता रहा हैं। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक झटके ऐसे लगे है जब उनके भविष्य के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा कर रहे है। सबसे बद्दा झटका तब लगा जब राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता, विक्रमजीत साहनी और स्वाति मालीवाल समेत AAP के 7 राज्यसभा सांसदों ने पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा (BJP) का दामन थाम लिया है। उधर कोर्ट में उन पर शराब घोटाले का केस भी चल रहा है । पर कहते है न कि रस्सी जल जाती है पर बट नहीं जाता वैसे ही दिल्ली के पूर्व सीएम और AAP के प्रमुख अरविंद केजरीवाल का बट नहीं जा रहा है ।आज भी वो प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे है । सोमवार को एक सभा में उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के तौर पर 2026 पूरा नहीं कर पाएंगे। मेरा दिल और राजनीतिक समझ कहती है कि मोदी और अमित शाह जाने वाले है। केजरीवाल ने कहा कि मोदी जी की पॉपुलैरिटी आज पाताल लोक पहुंच चुकी है। उनका साम्राज्य जाने वाला है।केजरीवाल ने यह बात शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की किताब लॉन्च के दौरान दिल्ली में कही। इस दौरान दिग्विजय सिंह, कपिल सिब्बल और संजय सिंह समेत कई विपक्षी नेता मौजूद थे। देखने वाली बात यह है कि सोशल मीडिया पर आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। यह वीडियो पंजाब के होशिया-रपुर का है। इस वीडियो में दिख रहा है कि दिल्ली

के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जो ना तो कोई मंत्री हैं ना कहीं के विधायक, फिर भी उनके काफिले में दर्जनों लक्जरी कार और कमांडो साथ हैं। खुद को आम आदमी बताने वाले केजरीवाल के इसी दोहरापन पर लोग उनसे नाराज हैं। विपश्यना के लिए पंजाब पहुंचे केजरीवाल के काफिले पर दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि उनके काफिले का नजारा देखने वाला था। उनके काफिले में पचास से अधिक गाड़ियां शामिल थीं, जिनमें से दो-दो करोड़ रुपए की लैंड क्रूजर शामिल थीं। इसके अलावा 100 से अधिक पुलिस कमांडो उनके साथ थे। यही नहीं, एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी शामिल थीं और वह कहते हैं कि शांति लेने के लिए वहां गए हैं। मैं पूछता हूं कि यह कैसी शांति है, जिसके लिए पंजाब के लोगों के खजाने से लाखों रुपए उड़ाए जा रहे हैं।केजरीवाल के काफिले पर तंज कसते हुए उनकी पूर्व सहयोगी स्वाति मालीवाल ने कहा कि सारी दुनिया को वीआईपी कल्चर पर टोकने वाले केजरीवाल जी आज ख़ुद डोनाल्ड ट्रंप से बड़ा सुरक्षा घेरा लेकर घूम रहे हैं। पंजाब से कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने तो कहा कि रस्सी जल गई पर बल नहीं गया...!! यह काफिला देश के प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री का नहीं, बल्कि एक हारे हुए विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का है। आये है 10 दिन के लिए ध्यान लगाने, पर काफिला 10 किलोमीटर लम्बा! दिल्ली में हारते ही शांति ढूंढने पंजाब आ गए? अगर ध्यान लगाना था तो वीआईपी काफिला क्यों? क्या यह आम आदमी की तपस्या है यां महाराजाओं की राजशाही? सबसे ज्यादा पार्टी को बड़ा झटका दिया संदीप पाठक ने। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक़, बीजेपी में जाने की तो छोड़ ही दीजिए शायद ही किसी ने कल्पना की होगी संदीप पाठक आम आदमी पार्टी छोड़ देंगे। कहा जाता है कि संदीप पाठक आम आदमी पार्टी के दूसरे नेताओं की तुलना में भले ही सार्वजनिक मंचों पर कम दिखते रहे हों लेकिन साल 2016 में पार्टी में शामिल होने के बाद से ही कोर लीडरशिप में उनका असर बढ़ता ही गया।संदीप पाठक को आम आदमी पार्टी की चुनावी रणनीति का चाणक्य कहा जाता रहा है। आम आदमी पार्टी पर क़रीबी नज़र रखने वालों का दावा है कि पार्टी को 2022 का पंजाब विधानसभा चुनाव जिताने का श्रेय भी संदीप पाठक को जाता है।संदीप पाठक की चुनावी रणनीति बनाने की काबिलियत की वजह से ही उन्हें 2022 में पार्टी की राजनीतिक मामलों की कमेटी का जनरल सेक्रेट्री बना दिया गया था। पार्टी में इतनी मजबूत स्थिति के बावजूद उनका इसे छोड़कर चले जाना राजनीतिक पर्यवेक्षकों को हैरान कर गया।हालांकि आम आदमी पार्टी के कामकाज पर नज़दीकी नज़र रखने वालों का कहना है देर-सवेर ऐसा होना ही था।आम आदमी पार्टी को लंबे समय तक कवर करने वाले पत्रकार विक्रांत यादव का कहना है, संदीप पाठक ने शुरू में आम आदमी पार्टी के लिए अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने आम आदमी पार्टी के लिए 2017 और 2022 के पंजाब चुनावों की रणनीति बनाने में अहम भूमिका निभाई। कई राजनीतिक सर्वे कराए। 2022 का चुनाव जिताने में भी उनका रोल अहम रहा। लेकिन पिछले एक डेढ़-साल से पार्टी और संदीप के रिश्ते में दूरियां आ गई थीं।₹आख़िर चुनावी रणनीति में इतनी अहम भूमिका में रहे संदीप पाठक और पार्टी की दूरियों की वजह क्या थी?विक्रांत यादव कहते हैं, ''संदीप और आम आदमी पार्टी के नेतृत्व के बीच दूरियों की असली वजह थी दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार। कहा गया कि चुनाव से पहले करवाए जाने वाले पार्टी के सर्वे ठीक नहीं हुए। इसके लिए संदीप को ज़िम्मेदार ठहराया गया और आख़िरकार पार्टी की करारी हार के लिए भी उन्हें कटघरे में खड़ा किया गया। तभी से संदीप और पार्टी का कनेक्ट कम होता गया।''विश्लेषकों का कहना है कि हालांकि इसके बाद भी संदीप पाठक पूरी तरह पार्टी से दूर नहीं हुए थे। पार्टी को उनकी विशेषज्ञता का एहसास था। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि राघव चड्ढा और अशोक मित्तल के बीजेपी में जाने का अंदेशा तो पार्टी नेतृत्व को था। अशोक मित्तल जैसे नेताओं पर तो बीजेपी आईटी और ईडी रेड का डर दिखाकर दबाव बना रही थी। लेकिन आम आदमी पार्टी को अंदाज़ा नहीं था कि संदीप भी बीजेपी की राह पकड़ेंगे।राघव चड्ढा और अशोक मित्तल के बीजेपी में जाने की ख़बर मिलने के बावजूद पार्टी ने उन्हें मनाने की कोशिश नहीं की।लेकिन आम आदमी पार्टी की ओर से संजय सिंह ने गुरुवार को संदीप पाठक से बात कर उन्हें मनाने की कोशिश की थी।

अशोक भाटिया

वैसे यह पहला ...

राजेश श्रीवास्तव

भाजपा को दागी और गद्दार पसंद हैं

शुक्रवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की वाशिंग मशीन के सामने एक बार फिर दागी धुलने को तैयार हो गये। यही वही दागी हैं जिन पर इसी महीने की 15 तारीख को ईडी ने छापेमारी की थी। आम आदमी पार्टी के दस सांसदों में सात ने लगभग भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का ऐलान कर दिया है, बस औपचारिकताएं ही बाकी हैं। दिलचस्प तो यह है कि इनमें वह अशोक मित्तल भी शामिल हैं जिन पर पार्टी ने सबसे अधिक भरोसा किया। यह मित्तल वही हैं जिन्हें पार्टी ने राघव चड्ढा की जगह राज्यसभा में उपनेता बनाया था, यही नहीं मित्तल के घर पर ही पार्टी अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल सरकारी बंगला खाली करने के बाद रह रहे थ◌े और शुक्रवार सुबह ही उनका आवास खाली करके अपने नये सरकारी आवास पर गये थे। इसी महीने की 15 अप्रैल को ईडी ने आप के राज्यसभा सांसद और लवली प्रोफ़ेशनल यूनिवर्सिटी के मालिक अशोक मित्तल और उनके बेटे के ठिकानों पर पंजाब और गुरुग्राम में छापेमारी की। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग और पीएमएलए (विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम) के तहत वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में की गई है। अशोक मित्तल के अलावा, पंजाब के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के परिसरों पर भी क्क ने छापा मारा है, जिससे उनकी मुश्किलें बढ़ गई थी । तभी आप ने आरोप लगाया था कि बीजेपी इन एजेंसियों के दम पर विपक्ष को डरा रही है। यही नहीं, बीते दिनों जब भाजपा सरकार ने राघव चड्ढा को सुरक्षा घ◌ेरा प्रदान किया था तभी से यह उम्मीद हो गयी थी कि देर-सबेर राघव भारतीय जनता पार्टी में जाकर कमल थाम सकते हैं। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि भारतीय जनता पार्टी को ऐसे नेता खूब सुहाते हैं जो जांच एजेंसियों से डर जाते हैं। क्योंकि जांच के घ◌ेरे में तो आप सांसद संजय सिंह भी हैं लेकिन वह नहीं गये और न ही जायेंगे, क्योंकि वह डरपोक नहीं हैं। और भाजपा को तो डरपोक नेता चाहिए। यह कहा जा सकता है कि भाजपा को दागी और डरपोक लोग पसंद हैं। वैसे यह पहला मौका नहीं

है भारतीय जनता पार्टी ने इससे पहले विपक्षी दलों के तमाम ऐसे सांसदों, विधायकों और नेताओं को दूसरे दलों से अपने यहां लिया है जिन पर ईडी, सीबीआई और पुलिस जांच में पहले घ◌ेरा गया और बाद में उनको अपने यहां शामिल करा कर साफ-सुथरा करार कर दिया गया। राघव चड्ढा को तो मानिये नाराजगी के चलते पार्टी छोड़नी पड़ी लेकिन रास में उपनेता के पद से हटाने के बाद मीडिया से कहा था कि हारा नहीं हूं और उन्हों ने पूरी आप पार्टी को तोड़कर बदला ले लिया। उनके साथ स्वाति मालीवाल और हरभजन सिह भी हैं। इतना ही नहीं, बलबीर सिह सीचेवाल और विक्रमजीत सिह साहनी भी आप छोड़ रहे हैं। ये सभी पंजाब से सांसद हैं और ऐसे में माना जा रहा है कि इन नेताओं के पार्टी छोड़ने से पंजाब की राजनीति में भूचाल आ सकता है। आने वाले पंजाब विधान सभा चुनाव में इसका असर पड़ना तय माना जा रहा है। उधर संदीप पाठक ने कहा कि वह मां भारती की सेवा करने के लिए भाजपा में आये हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सेवा ही देश की सेवा है। दरअसल केजरीवाल और राघव चड्ढा में दूरियां उसी दिन से नजर आने लगी थी जब केजरीवाल जेल में थे और राघव अपनी पत्नी परिनीति के साथ लंदन में घूमते व मस्ती की फोटो सोशल मीडिया पर अपलोड कर रहे थे। राघव को लोकसभा चुनाव में भी पंजाब से दूर रखा गया। औपचारिक तौर पर वे श्री आनंदपुर साहब सीट पर नजर आए थे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पिछले कुछ समय से राघव चड्ढा पार्टी के अहम मुद्दों पर अपेक्षाकृत शांत नजर आ रहे थे। विपक्ष जहां इसे आप के अंदरूनी मतभेद का संकेत बता रहा है। वहीं पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय सिह और नए उपनेता डॉ. अशोक कुमार मित्तल ने इसे एक सामान्य संगठनात्मक प्रक्रिया करार दिया है, जिसका मकसद अन्य सांसदों को भी जिम्मेदारी देना है। हालांकि आम आदमी पार्टी से अलग होने वाले, इस्तीफा देने वाले या निकाले गए प्रमुख नेताओं में इस दल के संस्थापकों से लेकर बाद में जुड़े सदस्य तक शामिल रहे। आप से शुरुआत से ही अलग हो जाने वाले नेताओं में सबसे प्रमुख नाम अन्ना हजारे का रहा, जो कि सीधा-सीधा एक आंदोलन को पार्टी के रूप में ढालने के ही खिलाफ थे। ऐसे में वे आप के गठन के दौरान ही इससे अलग हो गए। वहीं, पार्टी से अलग होने वाले सबसे हालिया नाम कैलाश गहलोत का रहा, जो कि बीते साल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा का हिस्सा बन गए थे। आप के सह-संस्थापक और पार्टी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली इकाई, राजनीतिक मामलों की समिति पीएसी के सदस्य रहे योगेंद्र यादव, आप के सह-संस्थापक और वरिष्ठ वकील। 2०12 में भ्रष्टाचार मुक्त शासन की तलाश में पार्टी से जुड़े और पार्टी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था, राजनीतिक मामलों की समिति के सदस्य रहे प्रशांत भूषण, लोकप्रिय कवि, आप के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे कुमार विश्वास, आप की सह-संस्थापक रहीं शाजिया इल्मी, पूर्व पत्रकार, राजनीति में आप में शामिल होने वाले आशुतोष, सामाजिक कार्यकर्ता, आम आदमी पार्टी के प्रमुख नेता रहे कपिल मिश्रा, कांग्रेस की छात्र इकाई- एनएसयूआई की पूर्व नेता, 2०14 में आप से जुड़ीं अलका लांबा, तीन बार के आप विधायक, परिवहन मंत्री भी रहे कैलाश गहलोत, आप के संस्थापक सदस्य और महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख रहे मयंक गांधी, भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकता और महाराष्ट्र में आप इकाई का चेहरा रहीं अंजलि दमानिया आदि प्रमुख रहीं।

विपक्ष का खेमा...

टी एन अशोक

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड वोटिंग के नतीजे असल में क्या संकेत देते हैं?

ज्यादातर लोकतंत्रों में भारी मतदान को एक अच्छी बात माना जाता है, जो चुनाव प्रणाली में भरोसे की निशानी है। परन्तु भारत में यह बात इतनी सीधी नहीं है। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनावों में जो ज़बरदस्त भागीदारी देखने को मिली—जहां मतदान क्रमशः 84 प्रतिशत और 92 प्रतिशत के पार पहुंच गई—उसे और गहराई से समझने की ज़रूरत है। ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं। ये संकेत हैं, कुछ गड़बड़ियां हैं, और कुछ मामलों में, जान-बूझकर की गई राजनीतिक चालें हैं। पहली नजऱ में, तमिलनाडु की रिकॉर्ड मतदान एक जानी-पहचानी कहानी जैसी लगती है। इतिहास गवाह है कि जब-जब मतदान में अचानक उछाल आया है—खासकर 2011 में—तब-तब सत्ता-विरोधी लहर भी ज़ोरों पर रही है। इससे अपने-आप यह सवाल उठता है: क्या सत्ताधारी पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्रकडगम (द्रमुक) मुश्किल में है? इसका जवाब है: ज़रूरी नहीं। 2026 में मतदान में जो उछाल आया है, वह एक काफ़ी बदले हुए मतदाता सूची पर आधारित है। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की वजह से मतदाताओं की संख्या लाखों में कम हो गई थी। इसलिए, भले ही मतदान का प्रतिशत बढ़ा हो, लेकिन मतदाताओं की कुल संख्या में जो बढ़ोतरी हुई है—पिछले चुनावों के मुकाबले लगभग 19 लाख—वह उतनी बड़ी नहीं है जितनी दिखती है। दूसरे शब्दों में, यह मतदाताओं का एक छोटा समूह है जो ज़्यादा जोश से मत डाल रहा है, न कि कोई पूरी तरह से नई लहर जो चुनावी मैदान का नक्शा बदल रही हो। यह फ़र्क समझना ज़रूरी है। यह इस सोच को थोड़ा नरम करता है कि सत्ता के ख़िलाफ़ कोई बहुत बड़ी लहर चल रही है। अभिनेता से नेता बने विजय और उनकी पार्टी, 'तमिलगावेट्रीकडगम' (टीवीके) के चुनावी मैदान में उतरने से युवा मतदाताओं

में, खासकर 18 से 40 साल के लोगों में, यकीनन नया जोश भर गया है। मतदाताओं का यह समूह—जो तमिलनाडु में पहले से ही काफ़ी बड़ा है—इस बार बड़ी संख्या में मत डालने के लिए बाहर निकला है। लेकिन जोश होना और चुनावी तौर पर एकजुट होना, ये दोनों अलग-अलग बातें हैं। विजय की लोकप्रियता फैली हुई है, शहरी इलाकों में ज़्यादा है, और अभी भी अपने राजनीतिक स$फर के शुरुआती दौर में है। उनकी मौजूदगी से शायद ये हुआ है: मतदान का प्रतिशत बढ़ा है, खासकर पहली बार मत डालने वालों के बीच। द्रमुक-विरोधी मत एक जगह जमा होने के बजाय अलग-अलग हिस्सों में बंट गए हैं। खासकर शहरी इलाकों की करीबी चुनावी लड़ाइयों में, जिससे नतीजों का अंदाज़ा लगाना मुश्किल हो गया है। द्रमुक के लिए, यह विरोधाभासी रूप से फायदेमंद है। एक बंटा हुआ विपक्ष, सत्ता-विरोधी लहर के पूरी तरह हावी होने के जोखिम को कम कर देता है। अगर तमिलनाडु में मतदान का रुझान अस्पष्ट है, तो पश्चिम बंगाल में यह बेहद स्पष्ट है। 92 प्रतिशत का आंकड़ा पार करना, न केवल लोगों की भागीदारी को दर्शाता है, बल्कि उनके जोश को भी दिखाता है—एक ऐसा समाज जो गहरे तौर पर ध्रुवीकृत है और मतदान को अपने अस्तित्व की लड़ाई मान रहा है। यहां, मतदान का मकसद जिज्ञासा कम और मजबूरी ज़्यादा है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

ललित गर्ग

आशा, करुणा और मानवीय संवेदनाओं का जीवंत उत्सव

हर वर्ष 29 अप्रैल को मनाया जाने 'विश्व इच्छा दिवस' मानवता के उन कोमल स्पंदनों को अभिव्यक्त करता है, जो हमें एक-दूसरे से जोड़ते हैं। यह केवल एक दिवस नहीं, बल्कि संवेदन-शीलता, करुणा और आशा का वैश्विक अभियान है। इस दिन का मूल उद्देश्य उन बच्चों के जीवन में खुशी और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है, जो गंभीर और जानलेवा बीमारियों से जूझ रहे हैं। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि जीवन की वास्तविक सुंदरता दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने में निहित है। इस प्रेरणादायी दिवस का संबंध विश्वविख्यात संस्था मेक-ए-विश फाउंडेशन से है, जो दशकों से बीमार बच्चों की इच्छाओं को साकार कर उन्हें जीवन का नया अर्थ दे रही है। यह संस्था न केवल इच्छाओं को पूरा करती है, बल्कि उन बच्चों के भीतर जीने की आशा, साहस और मानसिक शक्ति का संचार भी करती है। इस दिवस का इतिहास अत्यंत भावनात्मक और प्रेरणादायक है। वर्ष 1980 में सात वर्षीय क्रिस ग्रेसियस जो ल्यूकेमिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे, उनकी अंतिम इच्छा एक पुलिस अधिकारी बनने की थी। जब यह बात स्थानीय पुलिस तक पहुंची, तो उन्होंने न केवल उसकी इच्छा को समझा, बल्कि उसे पूरा करने का संकल्प भी लिया। 29 अप्रैल 1980 को क्रिस को एक दिन के लिए पुलिस अधिकारी बनाया गया, उन्हें वर्दी पहनाई गई और पूरे सम्मान के साथ यह अनुभव दिया गया। उस दिन क्रिस के चेहरे पर जो मुस्कान थी, वह केवल एक बच्चे की खुशी नहीं थी, बल्कि मानवता की संवेदनशीलता का जीवंत प्रमाण थी। दुर्भाग्यवश, कुछ ही दिनों बाद उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी यह छोटी-सी इच्छा एक वैश्विक आंदोलन की नींव बन गई। इसी घटना से प्रेरित होकर मेक-ए-विश फाउंडेशन की स्थापना हुई, जिसने समय के साथ एक विशाल रूप ले लिया। आज यह संस्था विश्व के अनेक देशों में सक्रिय है और लाखों बच्चों की इच्छाओं को पूरा कर चुकी है। यह संस्था यह सिद्ध करती है कि एक छोटी-सी पहल भी

दुनिया में बड़ा परिवर्तन ला सकती है। आधुनिक युग में, जब जीवन की गति अत्यंत तेज हो गई है और व्यक्ति अपने स्वार्थों एवं महत्वाकांक्षाओं में उलझा हुआ है, ऐसे में यह दिवस एक चेतना का संदेश लेकर आता है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हमारी इच्छाएं केवल हमारे लिए हैं, या हम दूसरों के जीवन में भी कुछ रोशनी ला सकते हैं। आज समाज में संवेदनाओं का क्षरण हो रहा है, लोग एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं, और मानवीय संबंधों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है। ऐसे समय में विश्व इच्छा दिवस मानवीय मूल्यों के पुनर्जागरण का अवसर प्रदान करता है। इच्छाएं मनुष्य के जीवन का अभिन्न अंग हैं। वे केवल आकांक्षाएं नहीं, बल्कि जीवन की दिशा और ऊर्जा का स्रोत हैं। जब इच्छाएं सकारात्मक होती हैं, तो वे व्यक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं, उसके भीतर आत्मविश्वास और रचनात्मकता का विकास करती हैं। प्रसिद्ध विचारक एंथोनी स्टे. मारटीन का कथन है कि यदि मनुष्य अपनी सबसे बड़ी इच्छाओं को साकार करने की क्षमता नहीं रखता, तो वह उन्हें सोच भी नहीं सकता। यह विचार इस बात को स्पष्ट करता है कि इच्छाएं हमारे भीतर की संभावनाओं का प्रतिबिंब होती हैं। विश्व इच्छा दिवस इस सत्य को भी उजागर करता है कि इच्छाएं केवल व्यक्तिगत नहीं होतीं, वे सामाजिक भी होती हैं। एक व्यक्ति की सकारात्मक इच्छा पूरे समाज में परिवर्तन ला सकती है। जब हम किसी बीमार बच्चे की इच्छा पूरी करते हैं, तो हम केवल उसकी खुशी का कारण नहीं बनते, बल्कि उसके परिवार और समाज के लिए भी आशा का स्रोत बन जाते हैं। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें देने वाला और पाने वाला दोनों ही समृद्ध होते हैं। वर्तमान समय में यह और भी आवश्यक हो गया है कि हम अपनी इच्छाओं को सकारात्मक दिशा दें। नकारात्मक इच्छाएं जहां व्यक्ति को तनाव और असंतोष की ओर ले जाती हैं, वहीं सकारात्मक इच्छाएं उसे संतुलन, शांति और संतोष प्रदान करती हैं। यही कारण है कि विश्व इच्छा दिवस केवल इच्छाओं की पूर्ति का उत्सव नहीं है, बल्कि यह सकारात्मक सोच और जीवन दृष्टि का भी उत्सव है यदि 2026 के संदर्भ में इस दिवस की भावना को समझा जाए, तो इसे "आशा बांटें, खुशियां जगाएं" के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है। यह संदेश हमें यह सिखाता है कि हम अपने छोटे-छोटे प्रयासों से भी किसी के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। एक मुस्कान, एक सहयोग, या एक संवेदनशील कदम किसी के लिए जीवन बदल देने वाला अनुभव बन सकता है। इस दिवस का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह हमें सामाजिक भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। हम सभी अपने स्तर पर इस अभियान का हिस्सा बन सकते हैं-चाहे वह आर्थिक सहयोग के माध्यम से हो, स्वयंसेवा के द्वारा हो, या किसी जरूरतमंद बच्चे की पहचान कर उसकी सहायता करने के रूप में हो। आज डिजिटल युग में सोशल मीडिया भी एक सशक्त माध्यम बन गया है, जिसके द्वारा हम इस संदेश को व्यापक स्तर पर फैला सकते हैं। निश्चिततौर परविश्व इच्छा दिवस हमें यह सिखाता है कि जीवन का वास्तविक अर्थ केवल अपने लिए जीने में नहीं, बल्कि दूसरों के लिए जीने में है। जब हम किसी के चेहरे पर मुस्कान लाते हैं, तो हम स्वयं भी भीतर से प्रसन्न होते हैं। यही सच्चा आनंद है, यही सच्ची संतुष्टि है। आज जब दुनिया अनेक चुनौतियों से जूझ रही है, चाहे वह मानसिक तनाव हो, सामाजिक विघटन हो या मानवीय संवेदनाओं का ह्रास-ऐसे समय में यह दिवस आशा की एक किरण बनकर सामने आता है। यह हमें यह विश्वास दिलाता है कि यदि हम चाहें, तो अपने छोटे-छोटे प्रयासों से भी दुनिया को एक बेहतर स्थान बना सकते हैं। इसलिए इस विश्व इच्छा दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम केवल अपनी इच्छाओं तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि दूसरों की इच्छाओं को भी अपना मानेंगे। हम अपने भीतर करुणा, सहानुभूति और सहयोग की भावना को विकसित करेंगे और मानवता के इस सुंदर अभियान का हिस्सा बनेंगे। क्योंकि अंततः एक छोटी-सी इच्छा ही किसी के जीवन में सबसे बड़ा परिवर्तन ला सकती है और यही इस दिवस का सबसे गहरा और सच्चा संदेश है।

लड़की ने अभिषेक शर्मा का हाथ पकड़कर खींचा

जयपुर में स्टेडियम जाते वक्त होटल की लॉबी की घटना, सुरक्षाकर्मियों ने छुड़वाया

■ अभिषेक शर्मा का युवती ने हाथ पकड़कर खींच लिया तो सुरक्षाकर्मियों ने युवती से हाथ छुड़वाया।

जयपुर, एजेंसी

अभिषेक शर्मा के साथ जयपुर में एक अप्रत्याशित घटना सामने आई, जब एक महिला फैन ने उनका हाथ पकड़कर अपनी ओर खींच लिया। यह घटना शनिवार को हुई, जिसका वीडियो रविवार को सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस घटना के बावजूद मैदान पर अभिषेक शर्मा ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 57 रनों की तेज पारी खेली, जबकि ईशान किशन ने 74 रन बनाए। सनराइजर्स हैदराबाद ने 229 रनों के लक्ष्य को 18.3 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टीम की जीत में नीतीश कुमार रेड्डी (36 रन) और हेनरिक क्लासन (29 रन) का भी अहम योगदान रहा। वहीं राजस्थान रॉयल्स की ओर से जोफ्रा आर्चर और ब्रजेश शर्मा ने 2-2 विकेट झटके। जयपुर के SMS स्टेडियम में शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद का मैच राजस्थान रॉयल्स के साथ था। अभिषेक मैच के लिए स्टेडियम के पास स्थित होटल से निकल रहे थे। इस दौरान भीड़ के बीच से एक महिला फैन अभिषेक शर्मा के करीब पहुंची और उनका हाथ पकड़कर अपनी ओर खींचने लगी। इस दौरान क्रिकेटर के साथ मौजूद सुरक्षा कर्मी तुरंत हरकत में आए और महिला फैन से अभिषेक का हाथ छुड़वाया और उनको लेकर स्टेडियम के लिए रवाना हुए। हालांकि यह घटना कुछ सेकंड की थी, लेकिन अचानक हुई इस हरकत से अभिषेक शर्मा असहज और हैरान नजर आए। यह पूरी घटना कुछ सेकंड की रही, लेकिन इससे अभिषेक थोड़े असहज और हैरान नजर आए। इससे एक दिन पहले अभिषेक शर्मा अपनी मां के साथ गोविंद देव जी मंदिर पहुंचे थे। घटना के दौरान मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत स्थिति को संभाला और फैन से अभिषेक का हाथ छुड़वाया। इसके बाद खिलाड़ी को सुरक्षित स्टेडियम के लिए रवाना कर दिया गया।

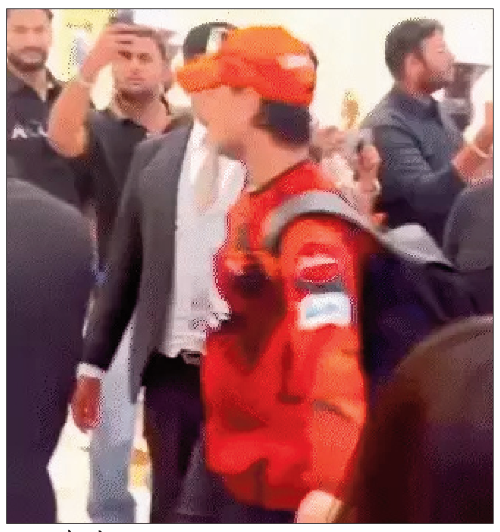

सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत किया हस्तक्षेप

घटना के दौरान मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत स्थिति को संभाला और फैन से अभिषेक का हाथ छुड़वाया। इसके बाद खिलाड़ी को सुरक्षित स्टेडियम के लिए रवाना कर दिया गया। यह पूरी घटना कुछ सेकंड की रही, लेकिन इससे अभिषेक थोड़े असहज और हैरान नजर आए। इससे एक दिन पहले अभिषेक शर्मा अपनी मां के साथ गोविंद देव जी मंदिर पहुंचे थे। यहां भी फैंस ने उन्हें पहचान लिया और फोटो-वीडियो बनाने लगे। इस दौरान उन्होंने एक फैन को कैमरा बंद करने के लिए कहा था।

होटल से स्टेडियम जाते समय हुई घटना

दरअसल, सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाड़ी अभिषेक शर्मा आईपीएल 2026 के मैच के लिए होटल से सवाई मानसिंह स्टेडियम जा रहे थे। इसी दौरान होटल लॉबी में भीड़ के बीच से एक महिला फैन उनके करीब पहुंची और अचानक उनका हाथ पकड़कर खींचने लगी।

इसके घटना को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। कई यूजर्स ने इस व्यवहार को उत्पीड़न करार दिया और कहा कि किसी भी खिलाड़ी की निजी सीमा का उल्लंघन स्वीकार नहीं है।

इससे एक दिन पहले अभिषेक शर्मा अपनी मां के साथ गोविंद देव जी मंदिर पहुंचे थे। यहां भी फैंस ने उन्हें पहचान लिया और फोटो-वीडियो बनाने लगे। इस दौरान उन्होंने एक फैन को कैमरा बंद करने के लिए कहा था।

लंदन मैराथन, केन्या के सेबेस्टियन 1

59:30 टाइमिंग निकालकर चैंपियन: ऐसा करने वाले पहले रनर

नई दिल्ली, एजेंसी

केन्या के सेबेस्टियन सावे 2 घंटे से कम समय में मैराथन पूरा करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने लंदन मैराथन में 1:59:30 का समय लेकर नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले रिकॉर्ड केल्विन किपटम के नाम था। उन्होंने 2023 शिकागो मैराथन में 2:00:35 का समय लिया था। सावे ने इसे 65 सेकेंड से सुधारा। उन्होंने एलियुड किपचोगे के 2019 के अनौपचारिक 1:59:40 रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। दूसरे स्थान पर इथियोपिया के योमिफ केजेलचा रहे, जिन्होंने 1:59:41 का समय लिया। वे भी दो घंटे से कम में दौड़ पूरी करने में सफल रहे। युगांडा के जैकब किप्लिमो ने 2:00:28 के समय के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। इथियोपिया की टिगस्ट असेफा ने 2:15:41 के समय के साथ महिलाओं में अपना ही वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने पिछले साल लंदन में 2:15:50 में मैराथन पूरी कर रिकॉर्ड बनाया था। केन्या की हेलेन ओबिरी और जॉयसिलिन जेपकोसगेई दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। इस कामयाबी में तकनीक का भी बड़ा योगदान रहा। सावे और केजेलचा ने एडिडास के 'Adizero Adios Pro Evo 3' जूते पहनकर दौड़ लगाई। इनकी कीमत 500 डॉलर (करीब 41,700 रुपए) है और वजन 97 ग्राम है। कंपनी के अनुसार ये 30% हल्के हैं और रनिंग इकोनॉमी 1.6% तक बेहतर करते हैं।

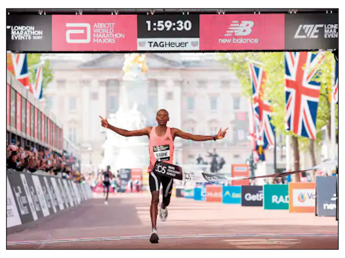

फास्ट न्यूज

इंटरव्यू में पत्रकार पर ट्रम्प भड़के, कहा- मैं रेपिस्ट नहीं

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एक इंटरव्यू के दौरान महिला पत्रकार पर भड़क गए। यह मामला हिल्टन होटल में फायरिंग के आरोपी कोल टॉमस एलन के मैसेज से जुड़ा था। एलन ने हमले से 10 मिनट पहले परिवार को एक मैनिफेस्टो (लिखित बयान) भेजा था। इसमें उसने 'पेडोफाइल, रेपिस्ट और गद्दार' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था।

बागेश्वर बाबा के बयान पर भड़के रितेश देशमुख

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर रितेश देशमुख, बागेश्वर बाबा के उस बयान पर भड़क गए, जिसमें उन्होंने कहा था कि छत्रपति शिवाजी महाराज युद्ध से थककर जिम्मेदारियां छोड़ना चाहते थे। अब एक्टर ने इस पर रिएक्ट करते हुए कहा है कि ये अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हालांकि विवाद बढ़ने पर बागेश्वर बाबा ने माफी मांग ली है। नागपुर में आयोजित एक इवेंट में बागेश्वर बाबा ने छत्रपति शिवाजी महाराज पर बयान देते हुए कहा, शिवाजी महाराज युद्ध से थककर अपनी जिम्मेदारियां छोड़ना चाहते थे। वो अपने गुरू समर्थ रामदास के पास मुकुट लेकर पहुंचे थे। बयान सामने आने के बाद से बागेश्वार बाबा की जमकर आलोचना की जाने लगी। इस पर रितेश देशमुख भी भड़क गए, जो जल्द ही छत्रपति शिवाजी महाराज पर बनी फिल्म राजा शिवाजी में नजर आने वाले हैं। उन्होंने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से मराठी में लिखा है।

सेंसेक्स में 600 अंक की तेजी

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 27 अप्रैल को बढ़त है। सेंसेक्स करीब 600 अंक की तेजी के साथ 77,350 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में 200 अंक से ज्यादा की बढ़त है, ये 24,100 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज IT, मेटल और फार्मा शेयर्स में ज्यादा खरीदारी है। सन फार्मा के शेयर में आज 7% से ज्यादा की तेजी है। कंपनी ने जानकारी दी है।

बेटे की फिल्म का गाना देख रो पड़े आमिर खान

म्यूजिकल इवेंट में दो बार नेचर्स कॉल का इशारा किया

नई दिल्ली, एजेंसी

आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस में बनी उनके बेटे जुनैद खान और साई पल्लवी स्टारर फिल्म एक दिन 1 मई को रिलीज हो रही है। रविवार को मुंबई में फिल्म का म्यूजिकल इवेंट रखा गया था, जिसमें आमिर की गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट भी बेटे के साथ पहुंची थीं। म्यूजिकल इवेंट में आमिर खान ने एक्ट्रेस साई पल्लवी और बेटे जुनैद खान के साथ बैठकर फिल्म देखी। इस बीच एक्टर काफी भावुक नजर आए। एक हिस्से में गाना देखकर आमिर रो पड़े और वहीं बैठे-बैठे अपनी टी-शर्ट से आंसू पोछते दिखे। कुछ देर बाद उन्होंने फिल्म का गाना भी गुनगुनाया। इसके अलावा भी इवेंट से आमिर खान का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसमें वो मंच पर माइक थामे खड़े हैं। इवेंट के होस्ट उन्हें कुछ कहते हैं, तभी आमिर, नेचर्स कॉल का इशारा करते हुए कहते हैं, 'दो मिनट जाकर आऊं?' ये देख वहां मौजूद हर कोई हंस पड़ा। यही नही, इवेंट के बीच का एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें भी आमिर नेचर्स कॉल का इशारा कर झुककर इवेंट से निकलते नजर आ रहे हैं। इवेंट में फिल्म पर बात करते हुए आमिर खान ने फिल्म एक दिन की लीड एक्ट्रेस साई पल्लवी को देश की बेस्ट एक्ट्रेस कहा है। उन्होंने कहा, अगर मैं आज अपने दिल पर हाथ रखकर कहूं तो मेरे लिए साई कंट्री की बेस्ट एक्ट्रेस हैं।

माली के रक्षामंत्री सादियो की बम धमाके में मौत

कल घर पर सुसाइड कार से हमला हुआ, राष्ट्रपति सुरक्षित जगह ले जाए गए

बमाको, एजेंसी

माली के रक्षा मंत्री सादियो कामारा की बम धमाके में मौत हो गई। शनिवार को राजधानी बमाको से करीब 15 किमी दूर काटी शहर में उनके घर पर आत्मघाती कार से हमला किया गया। हमले में सादियो की दूसरी पत्नी और दो पोते भी मारे गए। यह जानकारी उनके परिवार और अधिकारियों ने दी। एक रिश्तेदार ने रॉयटर्स को उनकी मौत की पुष्टि की, जबकि उनके साले ने फेसबुक पोस्ट में इसकी जानकारी दी। हमले के पीछे अल-कायदा से जुड़ा जिहादी संगठन JNIM और तुआरेग विद्रोही समूह FLA का गठजोड़ बताया जा रहा है। दोनों संगठनों ने मिलकर यह हमला किया। इस हमले के साथ ही देश के कई हिस्सों में भी हिंसा भड़क गई। बमाको, गाओ, किदाल और सेवरे समेत कई शहरों में गोलीबारी और धमाकों की खबरें सामने आई हैं। रिपोर्टों के मुताबिक राष्ट्रपति असीमी गोइता को सुरक्षित जगह ले जाया गया क्योंकि उनके घर को भी निशाना बनाया गया था। रक्षा मंत्री सादियो कामारा माली की सैन्य सरकार के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक थे। वे पेशे से सैन्य अधिकारी थे और लंबे समय तक सेना में सेवा देने के बाद शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचे। 2020 और 2021 में हुए सैन्य तख्तापलट के बाद उनका कद तेजी से बढ़ा और वे सत्ता के केंद्र में आ गए। रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने माली की सुरक्षा नीति तय करने में अहम भूमिका निभाई। कामारा को माली और रूस के बीच बढ़ते सैन्य संबंधों का प्रमुख सूत्रधार माना जाता था।

ऑफ-एयर, अगले साल नए अंदाज में वापसी की तैयारी

एकता कपूर ने 'नागिन 7' को लेकर दी नई अपडेट

लखनऊ, एजेंसी

टीवी इंडस्ट्री की क्वीन कही जाने वाली एकता कपूर ने अपने लोकप्रिय सुपरनेचुरल शो नागिन 7 को लेकर अहम अपडेट साझा किया है। उन्होंने साफ किया है कि मौजूदा सीजन जल्द ही खत्म होने वाला है और अगले साल इसे नए फॉर्मेट में फिर से शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'नागिन को लेकर कुछ अपडेट देने आई हूं। दोस्तों, मैंने कल एक पोस्ट किया था और मुझे एहसास नहीं था कि हम अचानक शो खत्म करने वाले हैं।

एकता ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक और वीडियो भी साझा किया।

इसमें उन्होंने छोटे सीजन बनाने के अपने फैसले के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, 'नागिन को हर साल प्रसारित करने के लिए हमें छोटे सीजन बनाने चाहिए ताकि मुझे अपना सारा समय न देना पड़े और मैं बाकी कामों पर ध्यान दे सकूं।

अगर सीजन लंबा हो जाता है, तो अगले साल वापसी के लिए हमें एक ब्रेक की जरूरत होगी।' लेकिन दर्शकों की डिमांड को देखते हुए इसे 48 एपिसोड तक बढ़ाया गया।"

चैनल के अनुरोध पर लिया गया फैसला

एकता कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए शो के भविष्य को लेकर चल रही चर्चाओं पर विराम लगाया। उन्होंने बताया कि शो को अप्रैल में ही खत्म किया जाना था, लेकिन अब इसे उनके जन्मदिन यानी 7 जून तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि "नागिन के इस सीजन को पहले 30 एपिसोड में खत्म करने की योजना थी, लेकिन दर्शकों की डिमांड को देखते हुए इसे 48 एपिसोड तक बढ़ाया गया।"

"हाल के एपिसोड्स में कहानी एक गहरे लव ट्रायंगल पर आधारित रही है, फिनाले से पहले मेकर्स ने कई नए किरदारों की एंट्री भी कराई है, जिससे क्लाइमैक्स को और ज्यादा हाई-वोल्टेज बनाने की तैयारी है।

ओटीटी पर भी उपलब्ध है शो

यह शो कलर्स टीवी के साथ-साथ JioHotstar पर भी स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है, जहां दर्शक इसे कभी भी देख सकते हैं।

दर्शकों को बांधे रखने और ड्रामा को बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने फिनाले से पहले कई नए किरदारों को भी पेश किया सीजन के साथ वापसी से पहले एक हाई-वोल्टेज क्लाईमैक्स की उम्मीद कर रहे हैं।

छोटे सीजन पर होगा फोकस

एकता कपूर ने यह भी स्पष्ट किया कि आगे से शो को हर साल जारी रखने के लिए छोटे सीजन बनाए जाएंगे। उनका मानना है कि लंबे सीजन की वजह से ब्रेक लेना जरूरी हो जाता है, जबकि छोटे सीजन दर्शकों की रुचि बनाए रखते हैं और प्रोडक्शन को भी लचीला बनाते हैं। नागिन 7 का आखिरी एपिसोड 7 जून को प्रसारित होगा, जो कि एकता कपूर का जन्मदिन भी है। इस सीजन में प्रियंका चाहर चौधरी मुख्य भूमिका में नजर आ रही हैं। एकता कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज में शो के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर बात करते हुए स्पष्ट किया कि सीजन को समाप्त करने का फैसला आंशिक रूप से शेड्यूलिंग की वजह से लिया गया है।

बढ़त : 10 ग्राम सोना ₹1.51 लाख का हुआ, इस साल ₹18 हजार महंगा हो चुका

चांदी ₹278 बढ़कर ₹2.44 लाख किलो पर पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 27 अप्रैल को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार एक किलो चांदी 278 रुपए महंगी होकर 2,44,103 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 2,43,825 रुपए प्रति किलो थी। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 16 रुपए महंगा होकर 1,51,495 रुपए पर बंद हुआ। इससे पहले 23 अप्रैल को इसकी कीमत 1,51,479 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 2026 में सोना अब तक 18 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इस साल चांदी 10 हजार रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब बढ़कर 2.44 लाख रुपए पर पहुंच गई है। आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2026 में अब तक सोने की कीमतों में करीब 18,000 की बढ़त दर्ज की गई है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोना 1.33 लाख था, जो अब 1.51 लाख के पार पहुंच चुका है।इसी तरह चांदी भी लगातार महंगी हुई है। साल के अंत में चांदी 2.30 लाख प्रति किलो थी, जो अब बढ़कर 2.44 लाख प्रति किलो हो गई है। विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक बाजार में अस्थिरता और निवेश की बढ़ती मांग की वजह से सोने-चांदी की कीमतों में यह तेजी बनी हुई है।

असली चांदी की पहचान करने के 4 तरीके

मैग्नेट टेस्ट: असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।

आइस टेस्ट: सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ तेजी से पिघलती है।

स्मेल टेस्ट: असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आती है।

क्लॉथ टेस्ट: चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें।

एकल घर खरीद की सबसे बड़ी डील

कीव। यूक्रेन के सबसे अमीर व बैंकिंग कारोबारी रिनात अख्मेतोव (59) ने यूरोपीय देश मोनाको के मारेटेरा में 5,137 करोड़ रु. में पांच मंजिला अपार्टमेंट खरीदा है। 2024 में हुई ये डील इतिहास की सबसे बड़ी एकल आवासीय डील में से एक है। यह खुलासा हाल ही में मोनाको के संपत्ति रिकॉर्ड और लीक ईमेल की जांच के बाद हुआ है। खदान मजदूर के बेटे से 73,328 करोड़ रुपए की नेटवर्थ खड़ी करने के पीछे अथक प्रयास हैं। रिनात का जन्म 1966 में यूक्रेन के डोनेत्स्क में हुआ। मजदूर परिवार से होने के चलते बचपन तंगहाली में बीता। 215 वर्गफुट फीट का घर था, जिसमें शौचालय और पानी की सुविधा नहीं थी। एक बार डॉक्टर को दिखाकर वे मां के संग लौट रहे थे। रास्ते में उनकी नजर मां के खाली बटुए पर पड़ी। यह देख रिनात बहुत दुखी हुए। तभी उन्होंने ठान लिया कि एक दिन वो बड़े फुटबॉलर बनेंगे और मां का पर्स पैसों से भर देंगे। 29 साल बाद वे फुटबॉल क्लब 'एफसी शाख्तार डोनेत्स्क' के प्रेसिडेंट बने।

1981 में भी होटल में अमेरिकी-राष्ट्रपति पर फायरिंग हुई थी

आरोपी हॉलीवुड फिल्म से प्रभावित था, हीरोइन को इम्प्रेस करने के लिए फायरिंग की

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में शनिवार रात सालाना व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान फायरिंग हो गई। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी मौजूद थे। यह घटना वॉशिंगटन हिल्टन होटल में हुई। करीब 60 साल पुराना यह होटल अपने एम (M) आकार के डिजाइन के लिए जाना जाता है। यहां लंबे समय से व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर होता आ रहा है। इसके अलावा फर्स्ट लेडी लंच और नेशनल प्रेयर ब्रेकफास्ट जैसे बड़े कार्यक्रम भी यहीं आयोजित होते हैं। इस होटल का इतिहास भी काफी चर्चित रहा है। करीब 45 साल पहले यहीं तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जानलेवा हमला हुआ था, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। यह हमला जॉन डब्ल्यू हिंकली जूनियर ने किया था। उसने एक फिल्म अभिनेत्री को प्रभावित करने के लिए राष्ट्रपति पर 1.7 सेकेंड में छह गोलियां चला दी थीं। घटना 30 मार्च 1981 की है। रीगन वाशिंगटन डीसी में एक मीटिंग में शामिल होने के बाद अपनी कार की तरफ जा रहे थे। उनके चारों तरफ मीडिया और लोगों की भीड़ थी। अचानक उसी भीड़ से निकलकर एक शख्स ने रीगन पर फायरिंग शुरू कर दी। रीगन पर पांच गोलियां दागी गईं, लेकिन वे हर गोली से बच गए। छठी गोली से भी वे बच ही गए थे, लेकिन वह बुलेटप्रूफ कार के शीशे से टकराकर फिर से रीगन के पास लौटी और उनके सीने में जा धंसी। उस अफरातफरी में रीगन को शुरुआत में पता भी नहीं चला कि उन्हें गोली लगी है। उन्हें तब अहसास हुआ जब खांसते समय उनके मुंह से खून निकलने लगा। वह जमीन पर गिर गए। जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी अस्पताल पहुंचते-पहुंचते उनकी हालत इतनी गंभीर हो गई थी कि वे मौत से कुछ ही मिनट दूर थे। हालांकि, डॉक्टरों ने उनके सीने से गोली समय पर निकाल ली, जिससे उनकी जान बच गई। इस घटना में रीगन के 3 सहयोगियों को भी गोली लगी, लेकिन वे भी रीगन की तरह बच गए। गोली चलाने वाले जॉन हिंकली को मौके पर ही पकड़ लिया गया।

सीएम योगी और केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में 9 राज्यों के कृषि मंत्रियों ने लिया हिस्सा

क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन का आगाज, नवाचार और किसानों की आय बढ़ाने पर फोकस

- नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की नई नींव रख रही है योगी सरकार की मुहिम
- प्रत्येक जिले में नियमित अंतराल पर आयोजित किए जाएंगे 'पॉश' से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान ने प्रदेशव्यापी जन आंदोलन का रूप ले लिया है। इसी कड़ी में प्रदेश के सभी 75 जनपदों में महिलाओं की सुरक्षा और यौन उत्पीड़न से संरक्षण संबंधी कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 ('पॉश' एक्ट) के प्रावधानों के प्रति प्रतिभागियों और आमजन को जागरूक किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करना है। अभियान के तहत 'पॉश' अधिनियम के प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की जा रही है। अधिनियम कार्यस्थल पर शारीरिक, मौखिक या गैरमौखिक आचरण को, जो महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाता है, यौन उत्पीड़न की श्रेणी में परिभाषित करता है।

अधिकारी, कर्मचारी, छात्राएं बन रहीं अभियान का हिस्सा

जागरूकता अभियान में सरकारी-निजी कार्यालयों के अधिकारी, कर्मचारी, महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य, कॉलेज छात्राएं, अधिवक्ता, श्रमिक संगठन और स्थानीय समुदाय के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महिला सशक्तीकरण मुहिम का हिस्सा यह अभियान कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतिकार) अधिनियम, 2013 (पॉश) और कामकाजी महिलाओं के वित्तीय-कानूनी अधिकारों पर केंद्रित है, जो नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में नया आयाम जोड़ रहा है।

महिलाओं के वित्तीय और कानूनी अधिकारों पर दिया गया जोर

अभियान में 'पॉश' अधिनियम के अलावा कामकाजी महिलाओं के वित्तीय और कानूनी अधिकारों पर भी चर्चा की जा रही है। मातृत्व अवकाश के लाभ, समान कार्य के लिए समान वेतन का अधिकार, कार्यस्थल पर स्वास्थ्य-सुरक्षा प्रावधान, श्रमिक कानूनों के तहत विशेष सुरक्षा, वित्तीय साक्षरता, बैंकिंग और बीमा योजनाओं तक पहुंच जैसे विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। विशेषज्ञों ने अपने संबोधन में कहा कि आर्थिक सशक्तीकरण ही वास्तविक महिला सुरक्षा का आधार है।

> सम्मेलन में प्राकृतिक खेती को लेकर विशेष चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक तकनीक के साथ प्राकृतिक खेती को अपनाना समय की जरूरत है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहे और लोगों को शुद्ध खाद्य पदार्थ मिल सकें। 2013 (पॉश) और कामकाजी महिलाओं के वित्तीय-कानूनी अधिकारों पर केंद्रित है, जो नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में नया आयाम जोड़ रहा है।

कृषि विज्ञान केंद्रों की भूमिका अहम

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक अब सीधे किसानों से जुड़कर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। बीज से लेकर बाजार तक की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार कई योजनाएं चला रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि देश का किसान अब वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए पूरी तरह तैयार है।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा की कंट्रोल रूम से हुई लाइव मॉनिटरिंग

लखनऊ के 55 केंद्रों पर परीक्षा का आखिरी दिन, डीएम-ज्वाइंट सीपी कर रहे निगरानी

- परीक्षा शुरू के बाद परीक्षा केंद्रों के गेट बंद कर दिए गए।
- जांच के बाद अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में जाने दिया गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में होमगार्ड भर्ती परीक्षा का आज अंतिम दिन है। तीन दिन से चल रही इस परीक्षा के समापन चरण में भी प्रशासन ने सख्त निगरानी और नकलविहीन व्यवस्था के बीच परीक्षा कराने की तैयारी पूरी कर ली है। सोमवार को 55 केंद्रों पर बड़ी संख्या में अभ्यर्थी अपने भविष्य के लिए परीक्षा दे रहे हैं। 25 से 27 अप्रैल तक आयोजित हो रही होमगार्ड भर्ती परीक्षा के अंतिम दिन सोमवार को भी सभी केंद्रों पर सुरक्षा और पारदर्शिता को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। प्रशासन का दावा है कि पूरे परीक्षा कार्यक्रम के दौरान कहीं से भी किसी तरह की अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली और अंतिम दिन भी यही व्यवस्था बनाए रखने पर फोकस है। जनपद के 55 परीक्षा केंद्रों पर प्रत्येक पाली में करीब 22,272 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। तीन दिनों में कुल लगभग 1.33 लाख परीक्षार्थियों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है। बड़ी संख्या को देखते हुए परीक्षा को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना प्रशासन के लिए चुनौती रहा, जिसे अब तक सफलतापूर्वक संभाला गया है। जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर और संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार लगातार परीक्षा व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं। पहले दिन अधिकारियों ने कंट्रोल रूम से सीसीटीवी के जरिए लाइव मॉनिटरिंग की और उसके बाद विभिन्न केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया था। परीक्षा के दौरान जनपदीय कंट्रोल रूम से सभी केंद्रों की लाइव निगरानी की जा रही है। इसके अलावा नबीउल्लाह रोड स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राजकीय जुबली इंटर कॉलेज और शाहमीना रोड के केंद्रों पर अधिकारियों ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया और परीक्षा कक्षों व पर्यवेक्षकों की व्यवस्थाएं परखी। नकल विहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी केंद्रों पर मोबाइल जैमर लगाए गए हैं।

फास्ट न्यूज

बीटेक छात्रा ने किराए के कमरे में सुसाइड किया

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के बिजनौर थाना क्षेत्र में बीटेक फाइनल ईयर छात्रा का शव किराए के कमरे में मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान अयोध्या के रौनही थाना क्षेत्र के कटरौली निवासी 25 वर्षीय वैष्णवी यादव के रूप में हुई। वह बिजनौर थाना क्षेत्र के सीमा सिटी में पिछले 4 साल से किराए पर रह रही थी। बीटेक फाइनल ईयर की छात्रा थी।

रिंकू के 4 छक्कों पर झूमीं मंगेतर प्रिया सरोज

लखनऊ। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में क्रिकेटर रिंकू सिंह के लगातार 4 छक्कों पर उनकी मंगेतर सपा सांसद प्रिया सरोज में झूम उठीं। वह कुर्सी से उठकर खड़ी हो गईं। कोलकाता नाइट राइडर्स का झंडा लहराते हुए रिंकू को चीयर किया। कहा- वंस मोर। प्रिया सरोज ने कहा कि आज रिंकू सिंह ने मेरे फादर इन ला (ससुर) के लिए शानदार पारी खेली है। आज हम उन्हें बहुत मिस कर रहे हैं। प्रिया सरोज के साथ सपा प्रमुख अखिलेश यादव की दोनों बेटियां अदिति और टीना भी मैच देखने पहुंची थीं। उन्होंने भी रिंकू को चीयर किया। दरअसल, रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) को सुपर ओवर में हरा दिया। मैच के हीरो रिंकू सिंह रहे। उन्होंने 51 गेंद पर नाबाद 83 रन बनाए। फील्डिंग में 5 कैच लपके। मैच के आखिरी ओवर में ध्रुव राठी की गेंद पर लगातार 4 छक्के जड़े।

संत प्रेमानंद महाराज से मिले एक्टर गोविंदा

मथुरा। अभिनेता गोविंदा सोमवार को मथुरा के वृंदावन पहुंचे। गोविंदा ने संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। यहां एकांतिक वार्तालाप कर उनका आशीर्वाद लिया। यहां से वह बांके बिहारी मंदिर पहुंचे। जहां उन्होंने भगवान बांके बिहारी जी के दर्शन किए। जगमोहन की देहरी पर इत्र लगाया। इसके बाद सेवायत गोपी गोस्वामी ने गोविंदा को भगवान बांके बिहारी जी का प्रसाद और अंग वस्त्र भेंट किया।

नगर निगम मुख्यालय में संपत्ति विभाग की समीक्षा बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय में सोमवार को संपत्ति विभाग की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीय महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल ने की। बैठक में नगर आयुक्त श्री गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त श्री पंकज श्रीवास्तव, संपत्ति प्रभारी श्री रामेश्वर प्रसाद सहित सभी नायब तहसीलदार, लेखपाल, कानूनगो एवं नगर निगम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान नगर निगम की संपत्तियों पर अवैध रूप से किए गए कब्जों की विस्तृत समीक्षा की गई। महापौर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ऐसे सभी मामलों में तेजी से कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और कब्जा मुक्त कराई गई जमीनों को सुरक्षित रखने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि कब्जा हटाने के बाद संबंधित भूमि की तत्काल ताड़बाड़ (फेंसिंग) एवं बायो फेंसिंग कराई जाए, ताकि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण की स्थिति न बन सके। इसके अलावा बैठक में संपत्तियों के सुव्यवस्थित रिकॉर्ड रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। महापौर ने सभी लेखपालों को निर्देशित किया कि ग्राम सभा संपत्ति रजिस्टर को प्राथमिकता के आधार पर तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि स्पष्ट और अद्यतन रिकॉर्ड से न केवल संपत्तियों की निगरानी आसान होगी, बल्कि अवैध कब्जों पर भी प्रभावी नियंत्रण रखा जा सकेगा। महापौर ने कब्जा मुक्त कराई गई संपत्तियों की नियमित मॉनिटरिंग बढ़ाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी जिम्मेदार अधिकारी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता से करें।

लखनऊ में सीएम से मिलने की जिद पर अड़ा युवक, घसीटते हुए ले गई पुलिस

'गौ माता की पीड़ा देखी नहीं जाती'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में गौ सेवक दीपक कुमार ने सीएम चौराहे पर प्रदर्शन किया। भगवा वस्त्र पहनकर, गले में पोस्टर टांगे दीपक गाय को राष्ट्रीय गौ माता का दर्जा देने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें हटाने की कोशिश की, लेकिन दीपक अपनी मांगों पर अड़े रहे। पुलिस दीपक को घसीटते हुए वहां से ले गई। इस दौरान दीपक ने गौ माता की पीड़ा का मुद्दा उठाया और सरकार से सख्त कानून बनाने की मांग की है। बुलंद-शहर के निवासी दीपक ने कहा कि गौ माता की पीड़ा हमसे बर्दाश्त नहीं होती। हमारी गौ माता स्लॉटर हाउस में और अन्य जगहों पर तड़पती है। आज हम इसीलिए मुख्यमंत्री से मिलकर उन्हें ज्ञापन देने आए हैं कि इसके लिए सख्त कानून बनाया जाए, और गाय को राष्ट्रीय गौ माता का दर्जा दिया जाए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एक साधु और संत हैं। अगर उनके रहते हुए राष्ट्रीय गौ माता का दर्ज नहीं मिला फिर तो हम लोगों के लिए यह बेहद शर्म की बात होगी। दीपक कुमार ने कहा कि गौ माता की पीड़ा उन्हें असहनीय लगती है और वह इसके लिए आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि गायों को स्लॉटर हाउस और अन्य स्थानों पर कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, जिसे रोकने के लिए सख्त कदम जरूरी हैं।उन्होंने मुख्यमंत्री का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एक साधु और संत प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं, इसलिए उनसे उम्मीद है कि वे इस मांग पर गंभीरता से विचार करेंगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारी को हटाने की कोशिश की, लेकिन दीपक अपनी मांगों पर अड़े रहे। इसके बाद पुलिस ने उन्हें घसीटते हुए वहां से हटाया और हिरासत में लेकर रवाना किया। कि वह इस मुहिम में हमारा साथ दें। इस लड़ाई को हम राष्ट्रीय स्तर पर लड़ेंगे यूपी से लेकर दिल्ली तक सीएम योगी से लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक हर किसी से मुलाकात करके गौ माता के संरक्षण के लिए कानून बनवाएंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एक साधु और संत प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं, इसलिए उनसे उम्मीद है कि वे इस मांग पर गंभीरता से विचार करेंगे।

> दीपक ने कहा कि हम पूरे प्रदेश में गौ माता की सेवा कर रहे हैं। हमारा जीवन गए सेवा के लिए समर्पित है, हम देख रहे हैं कि किस प्रकार हमारी गाय जिसे माता मानते है तड़पती हैं , उन्हें आपराधिक मानसिकता वाले लोग अपना शिकार बनाते हैं। इसलिए पिछले कई सालों से हम गौ माता के जीवन को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने गौ सेवक दीपक कुमार को जबरन हटाने की कोशिश की। इस दौरान पुलिसकर्मी उन्हें पकड़कर खींचते हुए ले गए।

'सीएम योगी से मिलने कि जिद'

जब तक राष्ट्रीय गौ माता का दर्जा नहीं दिलवा देंगे तब तक यह संघर्ष चलता रहेगा। आज हम उत्तर प्रदेश के मुखिया से फरियाद करने आए हैं मगर पुलिस हमें सीएम योगी से मिलने नहीं दे रही है। दीपक ने आवाहन करते हुए कहा कि हम अपने सभी सनातन भाई और बहनों से अनुरोध करते हैं।

'हस्साम के एनजीओ को अस्पतालों से होती थी फंडिंग'

केजीएमयू के फर्जी डॉक्टर का वेस्ट यूपी तक फैला नेटवर्क, दलाल लेकर आते थे मरीज

तमसा संकेत, एजेंसी

हस्साम अहमद, फर्जी डॉक्टर

लखनऊ। KGMU से गिरफ्तार फर्जी डॉक्टर हस्साम और उसके गिरोह को लेकर एक और खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि गिरोह को कई अस्पतालों और डॉक्टरों से फंडिंग मिलती थी। इसी पैसों के जरिए मुस्लिम बहुल इलाकों में स्वास्थ्य शिविर लगाए जाते थे और लोगों को अपने जाल में फंसाया जाता था। ये पूरा नेटवर्क में वेस्ट यूपी से ऑपरेट होने की आशंका है। गिरोह से जुड़े दलाल अस्पतालों में आने वाले मरीजों को अपना निशाना बनाते थे। ये लोग मरीजों और उनके तीमारदारों को सस्ते इलाज का लालच देकर बहकाते थे। फिर उन्हें अपने नेटवर्क से जुड़े डॉक्टरों और अस्पतालों तक पहुंचाते थे। इसके बदले दलालों को मोटा कमीशन मिलता था। जांच में यह भी सामने आया है कि हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के मरीजों को अलग-अलग तरीके से प्रभावित किया जाता था। खासतौर पर हिंदू मरीजों को धर्म परिवर्तन के लिए उकसाने की बात भी सामने आई है। पुलिस और एजेंसियां इस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हैं। पुलिस की जांच में चार डॉक्टर और कुछ अस्पताल रडार पर हैं। इनके खिलाफ साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और पुख्ता सबूत मिलते ही कार्रवाई की तैयारी है। इनमें कुछ बड़े निजी अस्पताल भी शामिल हैं। पुलिस टीम मोबाइल फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। उम्मीद है कि रिपोर्ट आने के बाद गिरोह के नेटवर्क और फंडिंग से जुड़े कई और बड़े खुलासे होंगे। पश्चिमी यूपी के मेरठ, मुरादाबाद बुलंदशहर और गाजियाबाद समेत कई जिलों में भी इस नेटवर्क के फैले होने की बात सामने आई है। लखनऊ में KGMU कैंपस से 21 अप्रैल को एक फर्जी डॉक्टर पकड़ा गया। वह मेडिकल स्टूडेंट को प्यार में फंसाकर धर्मांतरण कराने की साजिश रच रहा था। साथ ही एम्स दिल्ली में अमेरिका के डॉक्टरों से मिलवाने के नाम पर छात्राओं को बाहर ले जाने की योजना बना रहा था। KGMU के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया- कुछ दिन पहले पैथोलॉजी विभाग में सामने आए रमीज मलिक प्रकरण के बाद कुलपति के निर्देश पर जांच टीम बनाई गई थी।

हीटवेव : काशी में अस्पताल में बाथटब लगाया, कामाख्या एक्सप्रेस का एसी फेल, यात्रियों का हंगामा

यूपी में भीषण गर्मी, विंडो एसी आग का गोला बनी

- अमेठी में भीषण गर्मी के बीच ट्रांसफॉर्मर्स पर पाइप से पानी डाला जा रहा है, ताकि उसमें आग लगने की घटनाओं को रोका जा सके।

तमसा संकेत, एजेंसी

तस्वीर गोरखपुर की है। यहां भीषण गर्मी के बीच विंडो AC में आग लग गई।

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर/गोरखपुर। यूपी भीषण गर्मी की चपेट में है। अप्रैल महीने में ही जून जैसी गर्मी का एहसास हो रहा है। पारा 47°C के पार पहुंच गया है। सोमवार सुबह से तेज धूप निकली है। आसमान में बादलों की आवाजाही के बीच तेज हवाएं चल रही हैं। हीटवेव की वजह से अस्पतालों में उल्टी-दस्त के मरीज बढ़ गए हैं। काशी के सरकारी अस्पताल में कोल्ड रूम बनाया गया है। हीट स्ट्रोक के मरीजों के लिए चार बेड अलग से लगाए गए हैं। वार्ड में बाथ टब भी लगाया गया है। गोरखपुर में घर में लगी विंडो AC में आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरे घर में फैल गई। परिवारवालों ने भागकर अपनी जान बचाई। आगरा में कामाख्या एक्सप्रेस के थर्ड एसी कोच के AC में खराबी आ गई। यात्रियों को कानपुर तक 6 घंटे भीषण गर्मी में सफर करना पड़ा। हंगामे के बाद कानपुर में कोच बदला गया। अमेठी में ट्रांसफॉर्मर को ठंडा रखने के लिए पाइप से पानी डाला जा रहा। कानपुर में गर्मी की वजह से ट्रांसफॉर्मर में आग लग गई। पास में बनी दो दुकानें जलकर राख हो गईं।

प्रयागराज में भीषण गर्मी का अलर्ट

प्रयागराज पिछले एक हफ्ते से उत्तर प्रदेश के सबसे गर्म जिलों में से एक बना हुआ है। दिन का तापमान 44 डिग्री के आसपास है। राहगीरों को परेशानी हो रही है। लोग धूप से बचने के लिए गमछा और छाते का इस्तेमाल कर रहे हैं। कई इलाकों में बिजली ट्रिपिंग की भी समस्या हो रही है, जिससे लोगों को काफी दिक्कत सामना करना पड़ रहा है।

अगले 5 दिन कैसा रहेगा मौसम?

28 अप्रैल: पूरे प्रदेश में हल्की बारिश हो सकती है। 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

29 अप्रैल: पूर्वी और पश्चिमी यूपी में अच्छी बारिश होगी। तेज हवा चलेगी। रात के वक्त तापमान में गिरावट आएगी।

30 अप्रैल: पूरे प्रदेश में बारिश होगी। बिजली गिरने की आशंका है। दिन में 40 किमी की रफ्तार से गर्म हवाएं चलेंगी।

1 मई: पश्चिमी यूपी में हल्की और पूर्वी यूपी में तेज बारिश होगी। बादलों की गड़गड़ाहट के बीच बिजली भी गिर सकती है।

2 मई: प्रदेश में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। तेज हवा चलेगी। तापमान में हल्की गिरावट आएगी।

आपके शहर में मौसम कैसा है, गर्मी से राहत कब से मिलेगी?

पृष्ठ 01 का शेष...

पिछले 15 वर्षों में ...

सीएम योगी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल की धानेखाली, राजारहाट गोपालपुर और दमदम विधानसभा में रैलियां कीं और कल्याणी विधानसभा में रोड शो किया। सीएम ने कहा- बंगाल में ममता दीदी जय श्रीराम और हर-हर महादेव का नारा लगाने पर नाराज हो जाती हैं। उन्हें सत्ता हिलती हुई दिखती है। डबल इंजन की सरकार में जय श्रीराम बोलने पर प्रतिबंध नहीं होगा। लेकिन, सड़कों पर इफ्तारी की दावत जरूर बंद हो जाएगी। 4 मई को जब नतीजे आएंगे, तो टीएमसी के गुंडे सड़क पर पंचर बनाते नजर आएंगे। सीएम ने कहा- 2017 में यूपी में डबल इंजन की सरकार आई, तबसे गुंडागर्दी और दंगे खत्म हो गए। बेटी और व्यापारी सुरक्षित हैं। लव जिहाद और लैंड जिहाद प्रतिबंधित है। उन्होंने नारा दिया- गो-माता को कटने नहीं देंगे। हिंदुओं को बंटने नहीं देंगे। बंगाल भारत के स्वाभिमान और सम्मान की भूमि है। भारत के विरासत को एक नई ऊंचाई प्रदान करने वाली पावन धरा है। बंगाल की इस धरा ने चैतन्य महाप्रभु को जन्म दिया। जिन्होंने कीर्तन के जरिए हरे कृष्णा-हरे कृष्णा, हरे रामा-हरे रामा का शंखनाद किया था। बंगाल की धरा रामकृष्ण परमहंस की पावन धरा है। याद करिए इसी धरा में स्वामी विवेकानंद ने दुनिया भर को संदेश दिया कि गर्व से कहो कि हम हिंदू हैं। स्वामी विवेकानंद आज से 100 साल पहले इसका उद्घोष करते थे। आज बंगाल सरकार प्रदेश की डेमोग्राफी को बदलने की साजिश कर रही है। योगी ने कहा- बंगाल में भारत की सनातन परंपरा के बारे में बोलने को प्रतिबंधित किया जाता है। बंगाल में जय श्रीराम पर प्रतिबंध लगाया जाता है। दुर्गा पूजा और मूर्ति विसर्जन की शोभा यात्रा को प्रतिबंधित किया जाता है। बंगाल में कोई भी हिंदू त्योहार होने के पहले विद्रोह शुरू होता है। कर्फ्यू लगता है। सरेआम गो-हत्या होती है। इन सब पर टीएमसी खामोश है। इस खामोशी के खिलाफ आज बंगाल मुखर हुआ है। इसीलिए आज इस गुंडागर्दी और कुशासन के खिलाफ आवाज उठाने के लिए मैं भी यूपी से यहां आया हूं। 2017 के पहले यूपी में भी यही स्थिति हुआ करती थी। गुंडागर्दी थी, सत्ता के समानांतर माफिया माफिया सरकार चलाते थे। गोकशी होती थी। उत्सव के पहले उपद्रव शुरू हो जाते थे। गुंडागर्दी चरम पर थी। लेकिन, अब वहां ऐसा नहीं है। मैं कोलकाता के बड़ा बाजार में गया था। टीएमसी के गुंडों ने गुरुदेव रविंद्रनाथ ठाकुर की विरासत की हवेली पर कब्जा करके वहां टीएमसी के झंडे लगा दिए। कोर्ट के आदेश से वो हटाए गए। टीएमसी के गुंडे जगह-जगह कब्जा करते हैं। लेकिन, 23 अप्रैल को पहले चरण के मतदान के रुझान के बाद अब उनमें डर पैदा हुआ है। अब वो अपना ठिकाना ढूंढ रहे हैं। भाजपा की सरकार का मतलब सुशासन। आपको शासन की योजना के मिलने वाले लाभ की गारंटी। टीएमसी तो एससी-एसटी विरोधी भी है। पहली बार भारत की कोई बेटी जनजातीय समाज में जन्म लेने वाली कोई बहन भारत के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठी है। द्रौपदी मुर्मू जी भारत की महामहिम राष्ट्रपति हैं। हर भारतवासी उन पर गौरव की अनुभूति करता है। लेकिन, जब वह बंगाल आती हैं, तो ममता दीदी प्रोटोकॉल का पालन नहीं करतीं। सम्मान नहीं देती हैं।

तरबूज खाने से ...

डिनर के बाद रिश्तेदार अपने घर लौट गए। उस समय तक अब्दुल्ला, उनकी पत्नी या बेटियों को कोई दिक्कत नहीं थी। इसके बाद परिवार ने रात करीब 1 बजे तरबूज खाया। सुबह करीब 5 बजे उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। उन्हें उल्टी और दस्त होने लगे। शुरुआत में एक स्थानीय डॉक्टर ने उनका इलाज किया, लेकिन हालत बिगड़ने पर उन्हें जेजे अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान छोटी बेटी जैनब की सुबह करीब 10:15 बजे मौत हो गई। उसकी मां और बड़ी बहन के बाद पिता की मौत रविवार रात करीब 10:30 बजे हुई। परिवार का इलाज करने वाले डॉ. जियाद कुरैशी ने बताया कि सभी की हालत बहुत खराब थी। डॉक्टर के मुताबिक, परिवार ने खुद ही बताया कि सभी लोगों ने तरबूज खाया था, जिसके कारण उनकी तबीयत खराब हो गई है। पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया है और पोस्टमार्टम किया गया है। पोस्टमार्टम के दौरान शरीर से लिए गए सैंपल आगे की जांच के लिए भेजे गए हैं। घर से आधा खाया हुआ तरबूज भी जब्त कर जांच के लिए भेजा गया है। अहमदाबाद में अप्रैल की शुरुआत में डोसा खाने से दो बच्चियों की मौत का दावा किया गया था। शुरुआती तौर पर इसे फूड पॉइजनिंग का मामला माना जा रहा था, लेकिन जांच में बच्चियों के पेरेंट्स के ब्लड सैंपल में जहरीले पदार्थ के संकेत मिले। जानकारी के मुताबिक, 1 अप्रैल को बच्चियों के पिता विमल प्रजापति बैटर लेकर आए थे। इससे बना डोसा खाने के बाद पत्नी और दोनों बेटियों की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 3 महीने की बच्ची की 3 अप्रैल को मौत हो गई, जबकि 4 साल की बच्ची ने भी दम तोड़ दिया। नगर निगम ने बैटर के सैंपल जांच के लिए भेजे, लेकिन अन्य ग्राहकों की तरफ से कोई शिकायत नहीं मिलने पर पुलिस को शक हुआ। शक और गहरा इसलिए भी था क्योंकि छोटी बच्ची सिर्फ 3 महीने की थी। ऐसे में उसे डोसा खिलाने के दावे पर सवाल उठे। टॉक्सिकोलॉजी जांच में माता-पिता के शरीर में एल्युमिनियम फॉस्फाइड जैसे जहरीले पदार्थ के अंश मिले। FSL रिपोर्ट में डोसा भी ठीक निकला।

बहराइच में बच्चे पर मगरमच्छ का हमला

ग्रामीणों ने बचाया, पैर में गंभीर चोट

तमसा संकेत, एजेंसी

बहराइच। बहराइच के बौंडी इलाके में घाघरा नदी किनारे खेल रहे एक बच्चे पर मगरमच्छ ने हमला कर दिया। ग्रामीणों के शोर मचाने और हस्तक्षेप के बाद मगरमच्छ बच्चे को छोड़कर नदी में लौट गया, जिससे उसकी जान बच गई। घायल बच्चे को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना बौंडी के कायमपुर गांव में हुई। कायमपुर निवासी 12 वर्षीय शिव प्रसाद अपने दोस्तों के साथ घाघरा नदी के किनारे खेल रहा था। तभी अचानक नदी से बाहर आए एक मगरमच्छ ने उस पर हमला कर दिया और उसका पैर पकड़ लिया। शिव प्रसाद के दोस्तों ने तुरंत शोर मचाना शुरू कर दिया। बच्चों का शोर सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को लाठी-डंडों के साथ आता देख मगरमच्छ बच्चे को छोड़कर वापस नदी में चला गया। इस त्वरित कार्रवाई से बच्चे की जान बच गई। इस हमले में शिव प्रसाद का एक पैर बुरी तरह घायल हो गया। परिजनों ने उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों द्वारा उसका इलाज किया जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, बच्चे की हालत अब खतरे से बाहर बताई जा रही है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676